हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 38, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 5 अगस्त, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

शिक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, किसान व महिलाओं के लिए समर्पित भाव से कार्य करें : सीएम योगी

आत्मनिर्भर होंगे गांव तो देश भी उसी अनुपात में होगा आत्मनिर्भर

लखनऊ। मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना के अंतर्गत प्रदेश के आकांक्षात्मक विकासखंडों में कार्य कर रहे शोधार्थी स्वयं को योजक के रूप में मानकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करें। देखें कि आपके विकासखंडों में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, महिला और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कैसे बेहतरीन कार्य किया जा सकता है। जो शोधार्थी अपने तीन साल का टेन्योर मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ पूरा करेगा व बेहतरीन शोध प्रबंधन लिखकर प्रस्तुत करेगा, सरकार की ओर से उसे एज रिलेक्सेशन के साथ सरकारी नौकरी में भी वेटेज प्रदान किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना से संबंधित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि 2018 में नीति आयोग ने देश के 112 जनपदों को आकांक्षात्मक जनपद के रूप में चयनित किया था। इनमें उत्तर प्रदेश के आठ जिले, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, चंदौली, सोनभद्र, चित्रकूट और फतेहपुर जनपद शामिल किये गये। ये वो जनपद थे जो विकास की मुख्य धारा से पीछे छूट गये थे। उत्तर प्रदेश के सभी 8 जनपद देश के 112 आकांक्षात्मक जनपदों की लिस्ट में भी सर्वाधिक पिछड़े स्थान पर थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जल संसाधन, रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, फाइनेंशियल इन्क्लूजन और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में ये जिले पिछड़े थे। मगर ये हर्ष का विषय है कि टीम वर्क और नियमित मॉनीटरिंग के कारण आज हमारे 8 में से 4 जनपद देश के टॉप 10 आकांक्षात्मक जनपद में जबकि, टॉप 20 में सभी हमारे सभी 8 जनपद शामिल हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के विकास की धुरी गांव हैं। ग्रामीण व्यवस्था जितना आत्मनिर्भर होगी, देश और प्रदेश भी उसी अनुपात में आत्मनिर्भर होगा।

लक्ष्य निर्धारित कर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें शोधार्थी- मुख्यमंत्री ने कहा कि ना तो हमारे पास फंड की कमी है और ना ही मैन पॉवर की। हमारे शोधार्थी जोकि तीन साल के लिए फेलोशिप पर अपने अपने विकासखंडों में कार्य कर रहे हैं वे योजक बनकर कार्य करें। ये सुनिश्चित करें कि हम सरकार की योजनाओं को कैसे जनता के साथ जोड़ सकते हैं। सभी शोधार्थी एक लक्ष्य लेकर चलें कि जबतक उनके फेलोशिप का टेन्योर खत्म हो तबतक उनका ब्लॉक सर्व शिक्षा अभियान में शत प्रतिशत हो, उनका ब्लॉक टीबी मुक्त हो चुका हो। इसके साथ ही किसानों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी और महिला एवं बालिकाओं से जुड़ी सरकारी स्कीम भी जनता के बीच लेकर जाएं और योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करें। ये सुनिश्चित करें कि आपके ब्लॉक के हर गांव के शत प्रतिशत बच्चे स्कूल जा रहे हैं। बेटियों को कन्या सुमंगला योजना का लाभ मिल रहा है। किसानों को किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना का लाभ मिल रहा है। आपके विकासखंड में पर्यटन की क्या संभावनाएं हो सकती हैं, ये भी देखें। संचारी रोगों से मुक्त रखने के लिए अपने क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक करें। यही भी सुनिश्चित करें कि आपके क्षेत्र में कैसे बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान की जा सकती है।

एनसीसी कैडेट्स पर डंडे बरसाने का मामला, विपक्ष ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृहनगर ठाणे में विद्या प्रसारक मंडल के जोशी बेडेकर कॉलेज में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का प्रशिक्षण ले रहे छात्रों से क्रूरता का मामला सामने आया है। वायरल वीडियो में कथित रूप से सजा के तौर पर छात्र बारिश के पानी में जमीन पर पशुओं की तरह लेटे हुए हैं। इस दौरान छात्र रोते-चिल्लाते रहे, लेकिन प्रशिक्षक उन पर बर्बरता से डंडे बरसाता रहा। घटना 26 जुलाई की बताई गई है। पुस्तकालय में पढ़ाई कर रहे एक छात्र ने बाहर से चिल्लाने की आवाज सुनी तो वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। ठाणे के एक कॉलेज छात्र को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट को पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परिसर से निलंबित कर दिया गया। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जोशी बेडेकर कॉलेज में बारिश के दिन के एक शारीरिक प्रशिक्षण सत्र का यह वीडियो साथी छात्र द्वारा रिकॉर्ड किया गया था। विश्वविद्यालय के एक सीनेट सदस्य ने कहा, इस यूनिट के एनसीसी प्रशिक्षक का हाल ही में तबादला हुआ था। शिक्षकों की अनुपस्थिति में वरिष्ठ कैडेट के कार्यभार संभालने के कारण यह घटना हुई। ठाणे का जोशी बेडेकर कॉलेज दो अन्य सहयोगी संस्थानों- बंदोडकर कॉलेज और वीपीएम पॉलिटेक्निक के साथ मिलकर एनसीसी इकाई का संचालन करता है।

मानहानि केस में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, सजा पर रोक, बहाल हो सकती है सांसदी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को 'मोदी सरनेम' टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट से फौरी राहत मिल गई है। कोर्ट ने शुक्रवार को एक अंतरिम आदेश में कांग्रेस नेता की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने 'मोदी उपनाम' टिप्पणी पर मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। ऐसे में बड़ी बात यह भी यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद राहुल लोकसभा सदस्यता बहाल हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, कोर्ट की टिप्पणी के अलावा ट्रायल जज द्वारा अधिकतम सजा देने का कोई विशेष कारण नहीं बताया गया। यदि सजा एक दिन भी कम होती तो अयोग्यता से संबंधित प्रावधान लागू नहीं होता। ट्रायल जज से कम से कम यह अपेक्षा की जाती है कि वह गैर संज्ञेय अपराध के लिए अधिकतम सजा देने के कारण बताएं। हालांकि, अपीलीय अदालत और हाईकोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार करने में काफी पन्ने खर्च किए हैं, लेकिन इन पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया गया है। ऐसे मामलों में सार्वजनिक व्यक्ति से कुछ हद तक सावधानी बरतने की अपेक्षा की जाती है। आदेश के मुताबिक, ट्रायल कोर्ट के आदेश के प्रभाव व्यापक हैं। इससे न केवल राहुल गांधी का सार्वजनिक जीवन में बने रहने का अधिकार प्रभावित हुआ, बल्कि उन्हें चुनने वाले मतदाताओं का अधिकार भी प्रभावित हुआ। इन बातों को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से यह कि ट्रायल जज द्वारा अधिकतम सजा के लिए कोई कारण नहीं दिया गया है जिससे अयोग्यता हुई है, कार्यवाही के लंबित रहने तक दोषसिद्धि के आदेश पर रोक लगाने की जरूरत है। अपील के लंबित रहने से अपीलीय अदालत को कानून के अनुसार निर्णय लेने में कोई दिक्कत नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि बयान अच्छे मूड में नहीं होते हैं। सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति से सार्वजनिक भाषण देते समय सावधानी बरतने की उम्मीद की जाती है। कोर्ट ने अवमानना याचिका में राहुल के हलफनामे को स्वीकार करते हुए कहा कि उन्हें अधिक सावधान रहना चाहिए था। इससे पहले राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने बहस शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी से कहा कि उन्हें सजा पर रोक के लिए आज एक असाधारण मामला बनाना होगा। राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी का मूल उपनाम 'मोदी' नहीं है और उन्होंने बाद में यह उपनाम अपनाया। राहुल ने अपने भाषण के दौरान जिन लोगों का नाम लिया था, उनमें से एक ने भी मुकदमा नहीं किया। यह 13 करोड़ लोगों का एक छोटा सा समुदाय है और इसमें कोई एकरूपता या समानता नहीं है। सिंघवी ने कहा कि इस समुदाय में केवल वही लोग पीड़ित हैं जो भाजपा के पदाधिकारी हैं और मुकदमा कर रहे हैं। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि जज इसे नैतिक अधमता से जुड़ा गंभीर अपराध मानते हैं।

लोकसभा ने अंतर सेना संगठन कमान नियंत्रण और अनुशासन विधेयक को दी मंजूरी

नई दिल्ली। संसद में चल रहे मानसून्त्र में जोरदार हंगामा हो रहा है। शुक्रवार को सत्ता पक्ष ने राजस्थान में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया तो विपक्ष पीएम मोदी के मणिपुर को लेकर बयान पर अडिग है। इस बीच सशस्त्र बलों के संयुक्त अभियानों के दौरान अनुशासन बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई के प्रावधान वाले अंतर सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023 को लोकसभा ने शुक्रवार को पारित कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह कानून सैन्य सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मणिपुर बहस से संबंधित अपनी मांगों पर विपक्ष के विरोध के बीच रक्षा मंत्री ने सदन में पारित करने के लिए अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023 पेश किया। इस विधेयक पर हुई संक्षिप्त चर्चा पर रक्षा मंत्री के जवाब के बाद लोकसभा ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी। विधेयक पर बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि यह संयुक्तता को बढ़ावा देता है और अंतर-सेवा संगठनों के कमांडरों को बेहतर अनुशासनात्मक और प्रशासनिक शक्तियां प्रदान करता है। आगे बोले कि मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह विधेयक सैन्य सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस विधेयक में कोई अतिरिक्त वित्तीय निहितार्थ शामिल नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना में कभी भी किसी परस्थिति में अनुशासनहीनता का कोई मामला सामने आने पर जल्द निर्णय लेना आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक किसी अंतर सेना संगठन में अनुशासन बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई का प्रावधान करता है। आगे उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के कर्मी अपने-अपने संबंधित कानूनों और उनके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार काम करते हैं। ऐसी स्थिति में अंतर सेना संगठनों में काम करने वाले कर्मियों के आनुशासनिक मामलों में कमांडर-इन-चीफ केवल अपने बल के कर्मियों पर अनुशासन और प्रशासनिक अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं और दूसरे बल के कर्मियों पर नहीं।

प्रतापगढ़ : घुइसरनाथ धाम दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की लोडर पलटी, दो युवतियों की मौत, दर्जन भर से अधिक घायल

प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की तीन पहिया लोडर गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई। लोडर के नीचे दबने से दो बालिकाओं की मौत हो गई, जबकि दर्जन भर से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना लालगंज कोतवाली इलाके के भभौरा गांव के पास हुई। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मची रही। संग्रामगढ़ इलाके से श्रद्धालुओं का एक जत्था तीन पहिया लोडर वाहन पर सवार होकर बाबा घुइसरनाथ धाम दर्शन पूजन के लिए जा रहा था। शुक्रवार को लालगंज कोतवाली इलाके के भेभौरा गांव के पास वाहन असंतुलित होकर पलट गया। लोडर के नीचे आ जाने से उस पर सवार दो युवतियों कोमल (18) पुत्री सुरेश निवासी शिवावैश्य पूरेजोधा, थाना लालगंज और सीमा (18) पुत्री रामसुमेर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। घायलों में कई की हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर चीख पुकार मच गई। राहगीर और ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू कर घायलों को अस्पताल भेजवाया। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हादसे में जो लोग घायल हुए हैं। उनमें रामसुमेर सरोज (48), राघव (3) पुत्र हीरालाल, खुशबू (22) पुत्री रामसुमेर, राजा सरोज (13) पुत्र रामसुमेर, राजकली (55) पत्नी झगरू, राज (12) पुत्र झगरू, अंशु (34) पत्नी रिंकू, सुरसती (42) पत्नी रामसुमेर, पूनम (40) पत्नी बसंतलाल, निशा (23) पत्नी शंकर, मनोज ड्राइवर (25) लालूपट्टी, ऋषभ (2) पुत्र रिंकू, अंशिका (6) पुत्री रिंकू निवासी लालूपट्टी थाना संग्रामगढ़ शामिल है।

चुनाव आयुक्त अरुण गोयल की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नौकरशाह अरूण गोयल की चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने है कि कहा कि शीर्ष अदालत की संविधान पीठ दो मार्च के अपने फैसले में इस मुद्दे पर गौर कर चुकी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति (अब सेवानिवृत्त) केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने गोयल की नियुक्ति की फाइल का अवलोकन किया था लेकिन उसे रद्द करने से इनकार कर दिया था साथ ही उन्होंने इस मसले पर कुछ टिप्पणियां की थीं। पीठ ने गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और इसे खारिज कर दिया। एनजीओ की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि गोयल की नियुक्ति मनमानी है क्योंकि उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। केंद्र की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एनजीओ को दोबारा मामला दर्ज करने की अनुमति नहीं दी जा सकती क्योंकि संविधान पीठ ने नियुक्ति की फाइल का अवलोकन किया है लेकिन उसे रद्द करने से इनकार कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने दो मार्च को एक दूरगामी फैसले में कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति एक समिति की सिफारिश पर करेंगे जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधान न्यायाधीश शामिल होंगे। संविधान पीठ के फैसले में कहा गया था कि अदालत इस बात से हैरान है कि गोयल ने पिछले साल 18 नवंबर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन कैसे कर दिया अगर उन्हें चुनाव आयुक्त नियुक्त करने के प्रस्ताव के बारे में जानकारी नहीं थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि 15 मई, 2022 से राजीव कुमार की मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्ति के बाद चुनाव आयुक्त का पद खाली हुआ था।

मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी पर साधा निशाना, कहा- 5 साल में आई सिर्फ 12.2 लाख औपचारिक नौकरियां

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को दावा किया कि मोदी सरकार के तहत भारत ने पिछले पांच वर्षों में केवल 12.2 लाख औपचारिक नौकरियां जोड़ी हैं, और कहा कि गरीबों और मध्यम वर्ग के अस्तित्व के लिए, भाजपा को "सत्ता से बाहर फेंकना" जरूरी है। खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा रोजगार उपलब्ध कराने में "बुरी तरह विफल" रही है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, मोदी सरकार के तहत भारत ने पिछले 5 वर्षों में केवल 12.2 लाख औपचारिक नौकरियां जोड़ी हैं! इसका मतलब है कि प्रति वर्ष औसतन सिर्फ 24,400 नौकरियां। खरगे ने कहा, हम इस आंकड़े को नहीं बना रहे हैं। यह मोदी सरकार है जिसने यह कथा बनाई है कि ईपीएफ नियमित योगदानकर्ता = औपचारिक नौकरियों का निर्माण! ईपीएफ डेटा इसकी पुष्टि करता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भाजपा ने प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था, जिसका मतलब है कि नौ वर्षों में 18 करोड़ नौकरियां पैदा की जा सकती थीं। उन्होंने दावा किया, "हमारा युवा अंधकारमय भविष्य की ओर देख रहा है।" "कोई आश्चर्य नहीं, सड़कों पर गुस्सा और हिंसा है। भाजपा रोजगार प्रदान करने में बुरी तरह विफल रही है! अकल्पनीय" उन्होंने ट्विटर पोस्ट में कहा, "बेरोजगारी, दर्दनाक मूल्य वृद्धि और भाजपा द्वारा थोपी गई सुनियोजित नफरत के कारण यह विनाशकारी स्थिति पैदा हुई है।" खरगे ने कहा, "हमारे गरीबों और मध्यम वर्ग के अस्तित्व के लिए, भाजपा को सत्ता से बाहर करने की जरूरत है। भारत के पास बहुत हो चुका है।" कांग्रेस अर्थव्यवस्था को संभालने के तरीके को लेकर सरकार पर हमला करती रही है और आरोप लगाती रही है कि वह रोजगार पैदा करने में विफल रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की मुस्लिम पक्ष की याचिका, ज्ञानवापी परिसर में जारी रहेगा ASI सर्वे

नई दिल्ली। ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण को सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिल गई है। कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराने की इजाजत देने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले खिलाफ दायर मुस्लिम पक्ष की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने एएसआई के हलफनामे पर ध्यान दिया कि वह अपने सर्वेक्षण के दौरान कोई खोदाई नहीं कर रहा है और दीवार आदि के किसी भी हिस्से को नहीं छुआ जाएगा। कोर्ट ने पूछा कि उसे इस स्तर पर वैज्ञानिक सर्वेक्षण में हस्तक्षेप क्यों करना चाहिए? अयोध्या मामले में भी अरकने सर्वेक्षण किया था। एएसआई के सर्वे से दिक्कत क्या है? गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के कुछ घंटे बाद ही अंजुमन इंतजामिया मसाजिद के वकील निजाम पाशा ने मामले को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के सामने मेंशन कर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। इसमें सर्वे पर रोक की मांग की गई थी। हिंदू पक्ष ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर बिना उनका पक्ष सुने कोई आदेश न देने का अनुरोध किया था। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) से वैज्ञानिक सर्वे कराने के वाराणसी जिला जज के फैसले को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि जिला जज का सर्वेक्षण कराने का आदेश विधि सम्मत है। हालांकि मुस्लिम पक्ष ने आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर ने गुरुवार को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की याचिका खारिज करते हुए कहा, परिसर का एएसआई से वैज्ञानिक सर्वे करवाने का जिला कोर्ट का आदेश न्यायोचित और सही है। इसमें दखल देने का कोई कारण नहीं है। एसआई का प्रस्तावित सर्वे न केवल न्याय हित में जरूरी है, बल्कि दोनों पक्षों के लिए लाभकारी भी है। 16 पेज के आदेश में कोर्ट ने कहा, एएसआई के एडीजी आलोक त्रिपाठी, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया (एएसजीआई) शशि प्रकाश सिंह ने हलफनामा देकर कहा है कि सर्वे के दौरान ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा। इस दौरान न कोई खोदाई होगी, न ही ड्रिल किया जाएगा। बिना किसी नुकसान के ज्ञानवापी परिसर का सर्वे किया जाएगा। इसके बाद इस कथन पर संदेह करने का कोई औचित्य नहीं है।

पीएम मोदी से मिले मुख्यमंत्री सुक्खू, प्रदेश में हुए नुकसान के लिए विशेष आर्थिक पैकेज मांगा

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। उन्हें हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा से हुए भारी नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री से हिमाचल को जल्द अंतरिम राहत राशि जारी करवाने का अनुरोध किया। साथ ही बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए केंद्रीय टीम भेजने पर उनका धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हिमाचल के लिए विशेष आर्थिक पैकेज मांगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में राहुल गांधी से भी मुलाकात की और उन्हें प्राकृतिक आपदा के चलते प्रदेश में हुए नुकसान से अवगत कराया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने राहुल गांधी को सरकार और संगठन की गतिविधियों की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने नड्डा से प्राकृतिक आपदा से हुए भारी नुकसान के बारे में चर्चा की। साथ ही हिमाचल को अधिक से अधिक आर्थिक मदद दिलाने का अनुरोध किया।

संपादकीय

हर व्यक्ति अपना आपा क्यों खो रहा है

पिछले कुछ वर्षों में भारत के हर व्यक्ति में भारी तनाव देखने को मिल रहा है जरा जरा सी बात पर लोग आपा खो रहे हैं। राजनेताओं के बारे में यह कहा जाता है कि यह वाकपटुता में सबसे योग्य होते हैं। वह कड़ी से कड़ी बात इस तरह से बोलते हैं कि सामने वाले को बुरा भी नहीं लगे और वह अपनी बात भी कह दें। इसका बहुत बड़ा संसदीय इतिहास है। लोकसभा और राज्यसभा में जिस तरह सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के ऊपर आपा खोते हुए सदन के अंदर चर्चा कर रहे हैं। एक दूसरे के ऊपर जिन शब्दों का प्रयोग करके आरोप लगा रहे हैं। दिनोंदिन सदन और बाहर राजनेताओं की भाषा का स्तर गुंडों और मबालियों जैसा होने लगा है। संसद की कार्रवाई भी पक्ष एवं विपक्ष की हठधर्मिता के कारण नहीं हो पा रही है। सत्ता पक्ष अपने बहुमत के बल पर, बजट और बिलों को कुछ ही मिनटों में पास करा लेती है। आसंदी भी इस काम में सत्तापक्ष को सहयोग देते हुए दिखती है। जिसके कारण दिनों दिन यह प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। जिसके कारण राजनीतिक प्रतिद्वंदिता और राजनीतिक दल के नेता अपना आपा खोते हुए नजर आ रहे हैं। इसका असर आम जनता में हो रहा है। सोशल मीडिया से यह प्रवत्ति आम लोगों तक तेजी से पहुंच रही है। हाल ही में ट्रेन में चार व्यक्तियों की गोली से भूनकर हत्या कर दी गई। यह हत्या आरपीएफ के जवान द्वारा की गई है। धर्म विशेष के लोगों को चुन चुन कर हत्या की गई। हाल ही में हरियाणा के नूह में ब्रज मंडल यात्रा के दौरान भारी हिंसा फैल गई। 400 से ज्यादा गाड़ियां जला दी गई। पुलिस के जवान भी इस हिंसा में मारे गए। घंटों रोड पर दोनों समुदाय के बीच में पथराव होता रहा। जगह-जगह आग लगा दी गई। मस्जिद जला दी गई। ब्रजमंडल की जिस यात्रा को लेकर इतनी बड़ी हिंसा हुई है। उसी ब्रजभूमि में लोग किसी को अपशब्द भी नहीं कहते हैं। हर किसी को राधे-राधे कहकर प्यार से समझाते हैं बुलाते हैं। उसी ब्रज यात्रा में इतने बड़े पैमाने पर हत्या और आगजनी होना यह बताता है कि अब हम अपना आपा धार्मिक यात्रा में भी जरा जरा सी बातों में हिंसक हो रहे हैं। या धर्म के नाम पर हिंसक होते हुए चले जा रहे हैं। मणिपुर में पिछले 3 महीनों से लगातार हिंसा हो रही है। वहां शासन और प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। दोनों ही समुदाय के महिला, बच्चे और पुरुष भय के साए में जी रहे हैं। लोगों को खाना पीना भी उपलब्ध नहीं हो रहा है। हिंसा पर कोई रोक नहीं लग पा रही है। आपस में रहने वाले लोग जिस तरह से अपना आपा खो रहे हैं, एक दूसरे से भयभीत हैं। उससे स्थिति दिनों दिन भयावह होती हुई दिख रही है। युवाओं में भी अब जाने-अनजाने में बहस करने की आदत बन गई है। सोशल मीडिया के ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सएप में लोग तरह-तरह के अपने विचार यहां से वहां भेजते हैं। विचार अनुरूप नहीं होने पर धमकी, उनकी प्रतिक्रया के शब्द और उनकी जानकारी देखकर, बड़ा डर लगने लगा है। जरा जरा सी बात पर लोग एक दूसरे को धमका रहे हैं। हर घटना को लेकर ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सएप पर वैचारिक युद्ध शुरू हो जाता है। समर्थकों और विपक्षियों के बीच में तर्क वितर्क और धमकी शुरू हो जाती हैं। रही सही कसर झूठी जानकारी और उत्तेजना बढ़ाने वाले वीडियो हर आदमी को हिंसक बनाने का काम करते हैं। कुल मिलाकर पिछले वर्षों में नफरत का बाजार इतना बड़ा हो गया है। इससे हर व्यक्ति और समाज के लोग प्रभावित हैं। ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सएप पर झूठ-सच का जो कचरा परोसा जा रहा है। जिस तरह से लोगों को सुनियोजित रूप से उद्वेलित किया जा रहा है। उसके कारण भारत में जरा जरा सी बात पर सभी लोग आपा खो रहे हैं। जरा-जरा सी बात पर हिंसा पर उतारू हो रहे हैं। यह सब धर्म और राजनीति के नाम पर हो रहा है। यह और भी खतरनाक संकेत हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकताओं के बीच में भी जिस तरह से वैचारिक, शारीरिक हिंसा देखने को मिल रही है। उससे हर मनुष्य दूसरे मनुष्य के प्रति आपा खोकर हिंसक हो रहा है। अब यह बीमारी घर-घर में पहुंच रही है। मां-बाप भी अपने बच्चों से बात करने में अब डरने लगे हैं। आखिर ऐसा क्या हो रहा है, जिससे हर व्यक्ति एक दूसरे के प्रति हिंसक हो रहा है। यह कोई अच्छे संकेत नहीं है। वैचारिक मतभेद होते हुए भारतीय समाज सभी के साथ मिल-जुलकर रहने की पहचान थी। अब भारतीय समाज हिंसक क्यों हो रहा है। इस पर लगाम लगाने की जरूरत है।

इस तरह रामचरित मानस बना धर्म शास्त्र

करीब पांच सौ साल पहले तक कोई धर्म ग्रंथ हिंदी में नहीं था। सभी धर्म ग्रंथ संस्कृत में थे और चूंकि मध्य काल में शिक्षा दीक्षा का चलन काफी कम हो गया था, भक्ति भावना या धर्म श्रद्धा के लिए लोग संस्कृत विद्वानों की ओर ही ताकते थे। ऐसा कोई शास्त्र नहीं था, जो लोगों की अपनी भाषा में हो। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिख कर एक समाधान दिया था, लोकिन कठिनाई यह थी कि विद्वानों और धमार्चार्यों ने इसे मान्यता नहीं दी। इसलिए धर्म भावना से भरे लोगों के मन में यह फांस अटकी रहती थी कि वे राम कथा से तो प्रेरणा ले रहे हैं लेकिन उनकी जानकारी का जो स्त्रोत है, वह धर्म शास्त्र नहीं है। क्योंकि धर्मशास्त्र तो संस्कृत में ही हो सकता है। पुरानी मान्यता है कि कोई शास्त्र अथवा ग्रंथ लोकप्रिय होने से स्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वीकार्य वह रचना होती है जिसे विद्वतजनों ने मान्यता दी हो। तुलसीदास के मन में मानस की शुरूआत करते ही यह बात आई थी। उन्होंने हिंदी में ही रामकथा की रचना शुरू की। दो वर्ष सात महीने और छब्बीस दिन में सन्‍ 1576 में यह रचना पूरी हुई। कहते हैं कि रचना लेकर गोस्वामी जी काशी चले गए। वहां विश्वनाथ मंदिर में पहली बार इसका पाठ किया। वहां पंडितों ने रचना को सराहा तो सही लेकिन संस्कृत में नहीं होने की वजह से इसे काव्य की मान्यता नहीं दी। गोस्वामीजी इससे क्षुब्ध हो गए। मानस के संबंध में प्रचलित किवदंतियों के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर में रखे जाने के बाद ग्रंथ पर सत्यम, शिवम सुंदरम के साथ भगवान शिव का नाम लिखा मिला। अनुश्रुति के अनुसार यह काशी विश्वनाथ की स्वीकृति थी। लेकिन इस कहानी को मनगढंत माना गया है। रामचरितमानस के संबंध में इस तरह की कितनी ही कहानियां प्रचलित है जो उसकी महिमा को व्यक्त करती है। जैसे एक तो यही कि रामचरित मानस को चुराने के लिए चोर गए, वहां तुलसी की कुटिया में राम और लक्ष्मण पहरा देते हुए दिखाई दिए। इस तरह की तमाम किवदंतियों के बावजूद मानस को शास्त्र की मान्यता नहीं मिली थी। उस समय के प्रसिद्ध रामभक्त संत नाभादास ने मानस के महत्व को समझा और इस ग्रंथ को लेकर विद्वानों के पास गए। स्वामी ज्ञानानंद, हरीराम तर्कवागीश, गदाधर भट्टाचार्य, विश्वेश्वर सरस्वती, माधव सरस्वती, नारायण तीर्थ आदि विद्वानों ने रामचरित मानस को देखा पढ़ा और सराहा, किंतु उसे शास्त्र की मान्यता देने में असमर्थता जताई। असमर्थता इसलिए कि इनमें से कोई भी विद्वान रामचरितमानस पर टिप्पणी करता तो यह उसकी अपनी राय होती। हरीराम तर्कवागीश ने राय दी कि प्रयाग पुंभ के समय सभी संतजन और विद्वान एकत्रित होंगे। ग्रंथ को उनके सामने रखा जाए, सभी संत और धमार्चार्य विचार करें फिर इस संबंध में सर्वसम्मति से इस विषय में कोई निर्णय लिया जाए। पुंभ पर्व में अभी सात वर्ष की देर थी। इसलिए साल भर बाद 1577 में होने वाले समष्टि समारोह (संत समागम) पर अर्धपुंभ पर उस बारे में विचार की बात सोची गई।

नूंह की साम्प्रदायिक हिंसा षड्यंत्र और सुनियोजित साजिश का हिस्सा प्रतीत हो रही है

ललित गर्ग

हरियाणा के जिला नूंह में धार्मिक शोभायात्रा पर पथराव के बाद भड़की साम्प्रदायिक हिंसा ने जो विकराल रूप लिया है वह भयावह एवं चिन्ताजनक तो है ही, यह सवाल भी छोड़ता है कि कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की ऐसी घटनाएं आखिर थम क्यों नहीं रही हैं? क्यों प्रशासन अराजक तत्वों के आगे इतना बेबस हो जाता है? क्यों चुनावों से पहले ही ऐसी अराजक एवं साम्प्रदायिक शक्तियां सक्रिय होकर देश की शांति एवं सौहार्द की स्थितियों को तार-तार करने लगती हैं? क्यों नफरती, घृणा एवं द्वेष के भड़काव भाषणों पर नियंत्रण का बांध नहीं बांधा जाता? क्यों बार-बार सुप्रीम कोर्ट से इस तरह की हिंसा, आगजनी एवं साम्प्रदायिकता के खिलाफ गुहार लगानी पड़ती है? अगर हर बार हिंसा रोकने के लिये गुहार न्यायपालिका से करनी पड़े, तो विधायिका एवं कार्यपालिका की सार्थकता कितनी रह जाती है? इन प्रश्नों के अलावा मूल प्रश्न है कि आखिर नूंह की घटना ने समूचे हरियाणा को हिंसा की आग में क्यों और किस तरह झोंक दिया और इसका जिम्मेदार कौन है?

नूंह की साम्प्रदायिक हिंसा एक षड्यंत्र एवं सुनियोजित साजिश थी। इस हिंसा के मामले में आवश्यकता इसकी भी है कि उसके पीछे के कारणों की तह तक जाया जाए, क्योंकि इतनी भीषण हिंसा बिना किसी सुनियोजित साजिश के नहीं हो सकती। नूंह में भयावह साम्प्रदायिक उन्माद एवं हिंसा में जलाभिषेक यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के साथ पुलिस को निशाना बनाया गया, बड़े पैमाने पर आगजनी, गोलीबारी और लूटपाट हुई, तभी इसके प्रतिक्रियास्वरूप अन्य इलाकों में हिंसा हुई, जिससे बचा जा सकता था। एक वर्ग विशेष में इस तरह की हिंसा को जानबूझकर दावानल बनने दिया जा रहा है, जिसका विस्फोट कभी हरियाणा तो कभी दिल्ली, कभी राजस्थान तो कभी अन्य प्रांतों में होता रहता है, जिसमें राजनीतिक दलों के अलावा, बुद्धिजीवी वर्ग एवं मीडिया की सक्रिय भूमिका है। इन पर नियंत्रण के लिये जरूरत सख्त कदम उठाने की हैं। नूंह हो या दिल्ली, किसी भी दोषी को बचाने की जरूरत नहीं है। हम आज एक अराजक एवं उन्मादी तत्व को बचायेंगे तो कल ऐसे दस पैदा हो जायेंगे। इसके लिये उत्तर प्रदेश का योगी मॉडल ही कारगर है। साम्प्रदायिक तनाव एवं हिंसा की हर घटना के बाद एहतियाती उपाय भी खूब होते हैं लेकिन इस अहम सवाल का जवाब हमेशा बहुत पीछे छूट जाता है कि आखिर दंगों की ऐसी आग, आए दिन देश के अलग-अलग हिस्सों को क्यों झुलसाने लगी है?

दूसरा सवाल यह भी कि ऐसी साम्प्रदायिक हिंसा के लिए दोषी किसे ठहराया जाए? नूंह के मामले को भी बारीकी से समझा जाए तो लगता है कि प्रशासन और पुलिस ने इस धार्मिक जुलूस को लेकर सोशल मीडिया पर हो रही बयानबाजी को गंभीरता से नहीं लिया। संवेदनशील इलाकों में धार्मिक जुलूस की अनुमति देने से पहले जो पड़ताल की जानी चाहिए वह आखिर क्यों नहीं की गई? नूंह ही नहीं, बल्कि ऐसे सभी मामलों में सरकार में बैठे लोगों को इन सवालों के जवाब गंभीरता से तलाशने होंगे। एक बात और, ऐसे दंगों के बाद राजनेताओं और धर्म के ठेकेदारों के बयानों पर भी नजर रखनी होगी जो बेवजह समुदायों को उकसाने का काम करते हैं। हेट-स्पीच का बढ़ता प्रचलन ऐसी साम्प्रदायिक हिंसा को भड़काने का मूल कारण है। न जाने कितने नफरती भाषण ऐसे रहे, जिनमें किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। नूंह की हिंसा के मामले में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भड़काऊ भाषण दोनों पक्षों की ओर से दिए गए। स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यह कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए कि नफरती तत्वों को जरूरी सबक मिले। कई बार तो घोर आपत्तिजनक और भड़काऊ भाषण को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आवरण पहना दिया जाता है। भड़काऊ भाषणों पर कार्रवाई के मामले में दोहरे मानदंड समस्या को बढ़ाने वाले ही सिद्ध हो रहे हैं। यह जो साबित करने की कोशिश हो रही है कि ऐसे भाषण केवल किसी एक विशेष समूह या विचारधारा से जुड़े लोग ही दे रहे हैं, वह एक शरारती एजेंडा है और उसे बेनकाब करने की आवश्यकता है। क्योंकि हिंसा करने वाले दोषी लोगों से ध्यान हटाने यह एक जरिया है। देश में दंगों की आग कब और कहां भड़क जाए, यह कोई नहीं जानता। खास तौर पर धार्मिक जुलूस निकालने को लेकर छिड़ा कोई विवाद जब साम्प्रदायिक तनाव में बदल जाए तो फिर हिंसा की आग बेकाबू होते देर नहीं लगती। यह सवाल इसलिए भी जरूरी है क्योंकि ऐसी घटनाओं में हर बार जान-माल का भारी नुकसान सरकारी दस्तावेज में सिर्फ आंकड़ा बन कर ही रह जाता है। नूंह के दंगों की आग ने जो विकराल रूप लिया, उसके चलते वहां कर्फ्यू लगाने की नौबत आ गई है। हरियाणा के छह जिलों में निषेधाज्ञा लगाने के साथ-साथ हरियाणा से सटे राजस्थान के भरतपुर में भी अलर्ट जारी करना पड़ा है। नूंह दंगों की आंच गुरुग्राम तक जा पहुंची है जहां एक धार्मिक स्थल को भीड़ ने आग के हवाले कर दिया जिसमें एक जने की मौत हो गई, मौतें तो और भी हुई हैं। सब जानते हैं कि वोट बैंक पर कब्जा करने की राजनीति भी दंगों के पीछे छिपे कारणों में से एक रहती है। धर्म के नाम पर उन्माद से फायदा उठाने की चाह रखने वाले लोग ऐसे दंगों की आंच में भी अपनी सियासी रोटियां सेंकने से बाज नहीं आते हैं। दंगे भड़कने और हालात तनावपूर्ण हो जाने के बाद दंगों को दुर्भाग्यपूर्ण बताने और शांति की अपील करने मात्र से कुछ नहीं होने वाला। सरकारों को सख्त कदम उठाने ही होंगे। नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक जीवन को अस्त-व्यस्त कर रही है। प्रमुख रूप से गलती राजनेताओं और सरकार की है। कहीं, क्या कोई अनुशासन या नियंत्रण है? निरंतर साम्प्रदायिकता का दावानल फटता रहता है। कोई जिम्मेदारी नहीं लेता- कोई दंड नहीं पाता। राजनीति संकीर्ण एवं सम्प्रदायीकरण, इसी का चरम बिन्दु है। अपराधी केवल वे ही नहीं जिनके दिलों में सम्प्रदायिक संकीर्णता का जहर घुला है। वे भी हैं जो लोकतंत्र को तोड़ रहे हैं या जिनके दिमागों में अपराध एवं उन्माद भावना है। उन्मादी एवं अपराधी नियंत्रण से बाहर हो गये हैं। साम्प्रदायिक सोच वाले व्यक्ति नियंत्रण से बाहर हो गए हैं। और सामान्य आदमी के लिए जीवन नियंत्रण से बाहर हो गया है। अगर हम राष्ट्रीय दृष्टिकोण से विचारें तो हमें स्वीकारना होगा कि बहुत-सी बातें हमारे नियंत्रण से बाहर होती जा रही हैं।

वर्तमान दौर की सत्ता लालसा की चिंगारी इतनी प्रस्फुटित हो चुकी है कि सत्ता के रसोस्वादन के लिए जनता और व्यवस्था को पंगु बनाने की राजनीति चल रही है। प्रश्न है कि राजनीतिक पार्टियां एवं राजनेता सत्ता के नशे में डूबकर इतने आक्रामक एवं गैरजिम्मेदार कैसे हो सकते हैं? जैसे-जैसे आम चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं साम्प्रदायिकता की जहर उगलने वाली स्थितियां ज्यादा प्रभावी होती जा रही है। बिना मेहंदी लगे ही हाथ पीले करने की फिराक में सभी राजनीतिक दल जुट चुके हैं। सवाल यह खड़ा होता है कि इस अनैतिक राजनीति का हम कब तक साथ देते रहेंगे? इस पर अंकुश लगाने का पहला दायित्व तो हम जनता पर ही है। सत्ता से जुड़े एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने वाले साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सद्भावना कायम करने में नकारा साबित हो रहे हैं इसलिये सुप्रीम कोर्ट की ओर से समाज को ऐसा कोई संदेश जाना चाहिए कि घृणा का जवाब घृणा, नफरत का जवाब नफरत और हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकती। सभी को यह समझना ही होगा कि शांति और सद्भाव का वातावरण ही उनके और देश के हित में है।

बहुपयोगी पशु जल भैंस

जंगली जल भैंस संभवतः घरेलू जल भैंस के पूर्वज का प्रतिनिधित्व करती है। एक फाइलोजेनेटिक अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि नदी-प्रकार की जल भैंस की उत्पत्ति संभवतः पश्चिमी भारत में हुई थी और इसे लगभग 6,300 साल पहले पालतू बनाया गया था, जबकि दलदल-प्रकार की जल भैंस मुख्य भूमि दक्षिण पूर्व एशिया से स्वतंत्र रूप से उत्पन्न हुई थी और इसे लगभग 3,000 से 7,000 साल पहले पालतू बनाया गया था। भैंस नदी पश्चिम में मिस्र, बाल्कन और इटली तक फैल गई ; जबकि दलदली भैंस शेष दक्षिण पूर्व एशिया और तक फैल गईयांग्त्जी नदी घाटी।

जल भैंसें विशेष रूप से चावल के खेतों की जुताई के लिए उपयुक्त होती हैं, और उनके दूध में डेयरी मवेशियों की तुलना में वसा और प्रोटीन अधिक होता है। 19वीं सदी के अंत में उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में एक बड़ी जंगली आबादी स्थापित हो गई, और पापुआ न्यू गिनी, ट्यूनीशिया और उत्तरपूर्वी अर्जेंटीना में छोटे जंगली झुंड हैं। जंगली झुंड न्यू ब्रिटेन, न्यू आयरलैंड, इरियन जया, कोलंबिया, गुयाना, सूरीनाम, ब्राजील और उरुग्वे में भी मौजूद हैं। मार्च 2003 में, जूलॉजिकल नामकरण पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग ने यह फैसला देकर जंगली और घरेलू जल भैंसों के नामकरण में स्थिरता हासिल की कि वैज्ञानिक नाम बुबलस आर्नी जंगली रूप के लिए मान्य है। बी. बुबलिस घरेलू रूप के लिए मान्य है और जंगली आबादी पर भी लागू होता है।

नदी भैंस की त्वचा काली है, लेकिन कुछ नमूनों में गहरे, स्लेट रंग की त्वचा हो सकती है। दलदली भैंसों की त्वचा जन्म के समय भूरे रंग की होती है, जो बाद में स्लेटी नीली हो जाती है। कुछ आबादी में एल्बिनोइड्स मौजूद हैं। नदी भैंसों के चेहरे दलदली भैंसों की तुलना में लंबे, छोटे घेरे और बड़े अंग होते हैं। उनकी पृष्ठीय कटकें पीछे की ओर बढ़ती हैं और धीरे-धीरे कम होती जाती हैं।

जल भैंस का रूमेन अन्य जुगाली करने वाले पशुओं के रूमेन से भिन्न होता है। इसमें बैक्टीरिया की एक बड़ी आबादी शामिल है, विशेष रूप से सेल्युलोलाइटिक बैक्टीरिया, निचले प्रोटोजोआ और उच्च कवक जोस्पोर्स। इसके अलावा, मवेशियों की तुलना में उच्च रूमेन अमोनिया नाइट्रोजन (एनएच 4 -एन) और उच्च पीएच पाया गया है। नदी की भैंसें गहरे पानी को पसंद करती हैं। दलदली भैंसें कीचड़ में लोटना पसंद करती हैं, जिसे वे अपने सींगों से बनाते हैं। दीवार बनाने के दौरान उन पर मिट्टी की मोटी परत जम जाती है। [1] दोनों गर्म और आर्द्र जलवायु के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित हैं, जहां सर्दियों में तापमान 0 डिग्री सेल्सियस (32 डिग्री फारेनहाइट) से लेकर 30 डिग्री सेल्सियस (86 डिग्री फारेनहाइट) और गर्मियों में इससे अधिक होता है। गर्म जलवायु में पानी की उपलब्धता महत्वपूर्ण है, क्योंकि थर्मोरेग्यूलेशन में सहायता के लिए उन्हें दीवारों, नदियों या पानी के छींटों की आवश्यकता होती है। जल भैंस की कुछ नस्लें खारे समुद्र तटीय तटों और खारे रेतीले इलाकों के लिए अनुकूलित होती हैं। सघन दूध उत्पादन और मोटापा बढ़ाने के लिए हरे चारे का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। कई चारा फसलों को घास, भूसी या गूदे के रूप में संरक्षित किया जाता है। चारे में अल्फाल्फा, केले की पत्तियां, तना या कतरन, कसावा, मैंगेलवुर्जेल, एस्पार्टो, ल्यूकेना ल्यूकोसेफला और केनाफ, मक्का, जई, पैंडनस, मूंगफली, ज्वार, सोयाबीन, गन्ना, खोई और शलजम शामिल हैं। खट्टे फल का गूदा और अनानास का कचरा भैंस को सुरक्षित रूप से खिलाया गया है। मिस्र में, पूरा धूप में सुखाया गयादूध देने वाली भैंस को मानक चारा मिश्रण का 25% तक खजूर खिलाया जाता है।

दलदली भैंसें आम तौर पर नदी नस्लों की तुलना में अधिक उम्र में प्रजनन योग्य हो जाती हैं। मिस्र, भारत और पाकिस्तान में युवा पुरुषों का पहली बार संभोग लगभग 3.0-3.5 साल की उम्र में किया जाता है, लेकिन इटली में, उनका उपयोग 2 साल की उम्र में ही किया जा सकता है। सफल संभोग व्यवहार तब तक जारी रह सकता है जब तक कि जानवर 12 वर्ष या उससे अधिक का न हो जाए। एक अच्छा नदी भैंसा नर एक वर्ष में 100 मादाओं को गर्भवती कर सकता है। संभोग पर एक मजबूत मौसमी प्रभाव होता है। गर्मी का तनाव कामेच्छा को कम कर देता है। 1950 के दशक के दौरान, जल भैंसों का उनकी खाल और मांस के लिए शिकार किया जाता था, जिसे निर्यात किया जाता था और स्थानीय व्यापार में उपयोग किया जाता था। 1970 के दशक के अंत में, क्यूबा को लाइव निर्यात किया गया और बाद में अन्य देशों में जारी रखा गया। कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रमों में दलदली भैंसों को अब नदी भैंसों के साथ पार कराया जाता है, और ऑस्ट्रेलिया के कई क्षेत्रों में रखा जाता है। इनमें से कुछ संकर नस्लों का उपयोग दूध उत्पादन के लिए किया जाता है। मेलविले द्वीप एक लोकप्रिय शिकार स्थान है, जहाँ 4,000 व्यक्तियों तक की स्थिर आबादी मौजूद है।

बाण सागर नहर में बहे सात वर्षीय बालक का सिलहटा नदी में मिला शव स्वजनों में कोहराम

बाण सागर नहर से सिलहटा नदी में छोड़े जा रहे पानी के तेज बहाव से नदी के पत्थरों में फंसा मिला बालक का शव, पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा

प्रखर मिजार्पुर। हलिया थाना क्षेत्र के गजरिया गांव में बाणसागर नहर में गुरुवार दोपहर बहे सात वर्षीय बालक आदर्श का शव घटना स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर दूसरे दिन बाण सागर नहर से अदवा बांध में पानी देने के लिए बाण सागर नहर पर सिलहटा नदी में पानी छोड़ने के लिए बनाए गए गेट से करीब पांच सौ मीटर आगे शुक्रवार सुबह 11 बजे के करीब पुलिस व ग्रामीणों की खोजबीन के दौरान सिलहटा नदी में मिला बालक का शव मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गजरिया गांव निवासी अरूण मौर्य गुरुवार को अपने घर से करीब एक किलोमीटर दूर बाणसागर नहर के पास पत्नी सुशीला देवी के साथ धान रोपाई के लिए गए थे साथ में उनके दोनों पुत्र सात वर्षीय आदर्श व दस वर्षीय दिव्यांश भी गया हुआ था दोपहर में दोनों खेत से घर लौट रहे थे कि बाण सागर नहर में बनी सीढ़ी से नीचे उतरकर पैर में लगी मिट्टी धोने लगे उसी दौरान दोनों बालक सीढ़ी से फिसलकर नहर की तेज धारा में बहने लगे दोनों बालकों की चीख-पुकार सुनकर धान रोपाई कर घर लौट रही पड़ोसी ममता मौर्या पत्नी ऊदल मौर्य दोनों बच्चों के माता-पिता को बचाने की आवाज लगाकर नहर में कूद पड़ी जहां ममता ने दस वर्षीय बालक दिव्यांश को नहर से डूबने से बचा लिया लेकिन सात वर्षीय आदर्श नहर की तेज धारा में बह गया नहर पर दौड़कर पहुंची बालकों की मां ने नहर में ममता को अपनी साड़ी फेंककर नहर से बाहर निकाला।बालक के नहर में बहने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और नहर को बंद करवाकर बालक की खोजबीन में जुट गए जहां दूसरे दिन बालक का शव सिलहटा नदी के चट्टानों में फंसा हुआ मिला। मृतक दो भाइयों तथा एक बहन में सबसे छोटा था और प्राथमिक विद्यालय गजरिया में कक्षा एक का छात्र था। इस संबंध थानाध्यक्ष हलिया विष्णु प्रभा सिंह ने बताया कि बाणसागर नहर में बहे गजरिया गांव निवासी अरूण मौर्य के सात वर्षीय पुत्र आदर्श का शव दूसरे दिन खोजबीन के दौरान सिलहटा नदी में मिला शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महाविनाश से बचना है तो रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करवाने के लिए आगे आये दुनिया

अशोक मधुप

रूस-यूक्रेन युद्ध से हो रहे और होने वाले मानव जाति को महाविनाश से बचाने के लिए अभी रूस-अफ्रीका फोरम प्रयास कर रहा है, आज जबकि इस युद्ध को रुकवाने में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका का कोई महत्व नहीं, ऐसे में इस युद्ध को रुकवाने के लिए पूरी दुनिया को आगे आना चाहिए। सबको अपने प्रयास करने चाहिए। डेढ़ साल से चल रहा ये युद्ध किसी भी समय परमाणु हमले की जद में आ सकता है। इस युद्ध में हिरोशिमा-नागासाकी के बाद फिर से मानव जाति के महाविनाश की कहानी लिखी जा सकती है। इसकी खास बात ये होगी कि इस बार महाविनाश हिरोशिमा नागासाकी से कई गुना भारी होगा, क्योंकि अब परमाणु बमों की क्षमता पहले से बहुत अधिक है।

फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन जंग के शुरू होने पर लगा था कि लड़ाई एकतरफा है। रूस के सामने यूक्रेन नहीं टिक पाएगा, किंतु हुआ सोच के विपरीत। डेढ़ साल बाद भी यूक्रेन मजबूती के साथ रूस के सामने खड़ा है। सूचनाएं आ रही हैं कि यूक्रेन अब बढ़त ही ओर है। यूकेन का रूस पर बढ़त लेना बहुत ही खतरनाक संकेत है। रूस अपने को परास्त होता देख अपने सम्मान और हनक की खातिर परमाणु शस्त्रों का प्रयोग करने से कभी नहीं चूकेगा और यदि ऐसा हुआ तो मानव जाति का महाविनाश हो सकता है। रूस ने वर्ष 2014 में यूक्रेन का हिस्सा रहे क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। इससे पहले भी रूस और यूक्रेन के बीच इस क्षेत्र को लेकर काफी तनाव बना हुआ था। ऐसा इसलिए क्योंकि सोवियत संघ ने इस क्रीमिया क्षेत्र को तोहफे के रूप में यूक्रेन को सौंपा था। साल 2015 में फ्रांस और जर्मनी ने मध्यस्थता करते हुए रूस और यूक्रेन में शांति समझौता करवाया था। यूक्रेन और रूस में समझौते के बाद यूक्रेन पश्चिमी देशों से अपने अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध अच्छे बनाने में जुट गया, यह रूस की मर्जी क विरुद्ध था। रूस नहीं चाहता था कि यूक्रेन के संबंध किसी भी पश्चिमी देश का अच्छे हों, यूक्रेन चाहता था कि वह नाटो देशों के समूह में शामिल हो। यूक्रेन रूस से सटा देश है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसके खिलाफ थे। वे नहीं चाहते थे कि नाटो की सेना की आमद उसकी सीमा तक हो जाए। यूक्रेन के न मानने पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को युद्ध का निर्णय लेना पड़ा।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ही नहीं, पूरी दुनिया मान रही थी कि रूस का मुकाबला यूक्रेन के लिए संभव नहीं, किंतु यूक्रेन भारी नुकसान के बाद भी युद्ध का मुकाबला करता रहा। शुरूआत में उसका कुछ भाग रूस के कब्जे में चला गया। रूस-यूक्रेन का सबसे ज्यादा असर यूक्रेन के आम लोगों पर पड़ रहा है। इसका कारण यह है कि युद्ध यूक्रेन की जमीन पर हो रहा है। इस युद्ध के चलते एक अनुमान के अनुसार यूक्रेन में 8000 से अधिक आम लोगों की मौत हो चुकी है। 80 लाख से अधिक लोगों ने यूक्रेन छोड़ दिया जबकि करीब 1.4 करोड़ लोगों को विस्थापित होना पड़ा। इस युद्ध में अब तक रूस के एक लाख 45 हजार से अधिक सैनिकों की मौत हो चुकी है, वहीं यूक्रेन को भी अपने एक लाख सैनिकों की जान से हाथ धोना पड़ा है। युद्ध के चलते यूक्रेन में करीब 138 अरब डॉलर का इन्फ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह से बर्बाद हो गया है। यूक्रेन के 1100 से ज्यादा अस्पताल और 1,49,300 रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार ओलेग उस्तेंको के मुताबिक, यूक्रेन को युद्ध की वजह से एक ट्रिलियन डॉलर (करीब आठ लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो चुका है। दूसरी तरफ रूस अब तक युद्ध में करीब 8,000 अरब रुपये फूंक चुका है। दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोप मिलकर यूक्रेन की मदद के नाम पर युद्ध में 12,520 अरब रुपये झोंक चुके हैं। भोजन और ईंधन की बढ़ी हुई कीमतें, बाधित आपूर्ति श्रृंखला, महंगाई और बेरोजगारी जैसे कारकों को शामिल कर देखा जाए, तो युद्ध की वजह से पूरी दुनिया पर करीब 24 लाख करोड़ रुपये (तीन ट्रिलियन डॉलर) का बोझ पड़ा है। नाटो देश इस युद्ध में सीधे तो शामिल नहीं हुए किंतु वह यूक्रेन की सैन्य मदद कर रहे हैं। यूक्रेन का उत्साह बढ़ाने को अमेरिका सहित कुछ देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने यूक्रेन का दौरा भी किया। यूक्रेन को युद्ध में प्रत्येक प्रकार की सैन्य सहायता का वायदा नहीं किया अपितु सैन्य अस्त्र-शस्त्रों की आपूर्ति बढ़ाई। इन्हीं अस्त्र-शस्त्रों के बल पर यूक्रेन रूस के आगे टिका है। हाल ही में अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने यूक्रेन को क्लस्टर बम सौंप दिए। उन्होंने यह भी कहा है कि अगर यूक्रेन ने रूस के खिलाफ इस हथियार का इस्तेमाल किया तो वह भी इसका कड़ा जवाब देंगे। दरअसल क्लस्टर बम एक बेहद खतरनाक हथियार है। यह कई सारे छोटे-छोटे बमों का समूह होता है, जिन्हें एक खोल के अंदर रखा जाता है। इस बम को जमीन या हवा दोनों जगह से दागा जा सकता है। इस बम का प्रयोग किसी बड़े क्षेत्र को एक साथ खत्म करने के लिए किया जाता है। जब क्लस्टर बम को दागा जाता है तो यह जमीन पर पहुँचने से पहले ही खुल जाता है। इसके बाद इसके अंदर मौजूद बम अलग-अलग जगह बिखरकर उस पूरे इलाके को तबाह कर देते हैं। क्लस्टर बम को जब दागा जाता है तो इसमें मौजूद छोटे बमों में से 10 से 40 फीसदी बम फटते ही नहीं हैं। यह मिट्टी के नीचे दबे होते हैं। ऐसे में जब सालों बाद कोई आम आदमी उस जगह पर पहुंचता है तो इसकी चपेट में आ जाता है। अर्थात इन बमों से सालों तक तबाही होती रहती है।

साल 2008 में दुनिया के 120 देशों ने संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन में क्लस्टर बम पर बैन लगाने वाले समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें फ्रांस और ब्रिटेन जैसे अमेरिका के सहयोगी देश भी हैं। हालांकि अमेरिका, रूस और यूक्रेन ने अब तक क्लस्टर बम पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। जहां यूक्रेन को नाटो देश सैन्य साजो-सामान और अन्य सहायता उपलब्ध करा रहे हैं, वहीं उन्होंने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाया हुआ है। अंतराष्ट्रीय न्यायालय ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन पर हमला करने का अपराधी घोषित किया हुआ है। ऐसी हालात में रूस के राष्ट्रपति पुतिन का झल्लाना स्वाभाविक है। इसी झल्लाहट में वह कुछ भी निर्णय ले सकते हैं। हाल में पुतिन के स्पेशल एडवाइजर और रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने यूक्रेन को परमाणु हमले की धमकी दी है। मेदवेदेव ने कहा है कि अगर यूक्रेन इसी तरह जवाबी हमले करता रहा और उसने नाटो के साथ मिलकर हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की तो फिर हमें मजबूरी में न्यूक्लियर वेपन्स इस्तेमाल करने पड़ेंगे। रूस की तरफ से यूक्रेन पर एटमी हमले की धमकी पहली बार नहीं दी गई है। फरवरी और अप्रैल में खुद पुतिन कह चुके हैं कि अगर अमेरिका और नाटो यूक्रेन की मदद करते रहे तो रूस एटमी हथियारों समेत तमाम ऑप्शंस इस्तेमाल करेगा। इतना ही नहीं उसने अपने परमाणु शस्त्र तैनात भी कर दिए हैं।

मारपीट में हुई मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए कब्र को खोद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

परिजनों का आरोप जमीन बटवारे को लेकर रिश्तेदारों ने की थी हत्या

प्रखर जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा के निर्देशन पर सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस व क्षेत्राधिकारी नगर कुलदीप गुप्ता और मृतक के परिजनो की मौजूदगी में कब्रिस्तान पहुंच कर दफन किए गए शव को पोस्टमार्टम कराए जाने के लिए कब्र को खोदवाया गया जिससे मौत का स्पष्ट कारण पता चल सके। बताया जा रहा हैं कि संपत्ति के बंटवारे को लेकर रिस्तेदारों द्वारा हुई हत्या की आशंका में परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए डीएम अनुज कुमार झा से गुहार लगाई। जिसके बाद डीएम के आदेश पर कब्र खोदकर शव के पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। इस मौके पर मौजूद सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र कुमार सिंह, कोतवाली पुलिस और सीओ सिटी कुलदीप गुप्ता व मृतक के परिजनो के सामने कब्रिस्तान को खोदवाया गया और शव को पोस्मार्टम के लिए भेजा गया। वही कब्र खोदे जाने को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि असलम पुत्र जब्बार रिजवी से संम्पती के बटवारे को लेकर मारपीट हुई थी। करीब डेढ़ महीने पूर्व गाजीपुर अपने रिस्तेदार के यहाँ गये थे जहाँ पर उनकी मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि मारपीट के कारण ही मौत हुई थी। सिटी मजिस्ट्रेट ने यह भी बताया कि विपक्षी लोगो पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था जिसमें चार्जसीट भी लग गई है। परिजनों में असंतुष्टि को देखते हुए डीएम के निर्देश पर कब्र को दोबारा खुदवाया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है जिससे स्पस्ट जाँच हो सके की मौत का असल कारण क्या था। वही उक्त मामले को लेकर मृतक की पुत्रियों ने बताया कि मेरे पिता की हत्या हमारे रिश्तेदारो ने किया हैं मारने वालो में 5 आदमी और 4 महिलाएं शामिल हैं। जमीन के बटवारे को लेकर हत्या की गई है। जिसकी शिकायत हमने जिलाधिकारी से की थी डीएम के निर्देश पर आज कब्रिस्तान में दफन शव की कब्र खोदवां कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। ताकि मौत का कारण पता चल सके।

पीजी कालेज में स्नातकोत्तर स्तर पर ऑनलाइन प्रवेश प्रारम्भ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में स्नातकोत्तर स्तर एमए, एमएससी, एमएससी कृषि, एमकॉम का प्रवेश प्रारम्भ हो गया है। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ होने की जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश हेतु सफल अभ्यर्थियों की मेरिट सूची विषय एवं कक्षावार श्रेणी व आरक्षण के अनुसार जारी की गयी है। प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित सफल अभ्यर्थियों को प्रवेश हेतु कालेज की वेबसाइट- पर सूची अपलोड कर दी गयी है। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी प्रवेश हेतु अपना आवेदन फार्म 04 अगस्त 23 से 08 अगस्त 23 तक आनलाईन भर सकते हैं। अभ्यर्थी आनलाईन भरे गए आवेदन -पत्र डाउनलोड कर आवश्यक अभिलेखों की मूल प्रति के साथ महाविद्यालय के सम्बन्धित विभाग में 07 अगस्त से 09 अगस्त 23 तक जमा करेंगे। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी निर्धारित समयानुसार प्रवेश आवेदन -पत्र व शुल्क जमा न करने पर उक्त सीट रिक्त मानी जायेगी और पुनः प्रवेश हेतु कोई अवसर प्रदान नहीं किया जायेगा। प्रवेश हेतु जारी मेरिट सूची से रिक्त सीटों पर उक्त मेरिट सूची से नीचे के अभ्यर्थियों को प्रवेश हेतु अवसर प्रदान किया जायेगा। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने प्रखर पूर्वांचल को बताया कि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर द्वारा प्रवेश में डिजिटल इण्डिया एवं पूर्ण पारदर्शिता की नीति अपनाते हुए आनलाईन काउंसलिंग की व्यवस्था की गयी है। आनलाईन काउन्सलिंग द्वारा अभ्यर्थी अपने घर बैठे पूर्ण पारदर्शिता के साथ प्रवेश आवेदन- पत्र भर सकते हैं। प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय ने सम्मानित अभिभावकों से अपील की है कि समय रहते अपने पाल्यों का आवेदन-पत्र आनलाईन भरवाकर सम्बन्धित अभिलेखों की मूल- प्रति के साथ काउन्सलिंग समिति के समक्ष जमा करने में सहयोग करें। प्रवेश के लिए सभी प्रक्रिया आनलाईन है।

संक्षिप्त खबरें

न्यायालय के फैसले से कांग्रेस कार्यकताओं में खुशी

प्रखर जखनियां गाजीपुर। स्थानीय बाजार स्थित त्रिमुहानी पर कांग्रेस कार्यकताओं ने बैठक कर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को न्याय संगत बताते हुए खुशी का इजहार किया और एक दूसरे का मुंह मीठा कराया।ब्लाक अध्यक्ष देवनारायण सिंह ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य और सराहनीय है। फैसले से मोदी एंड पार्टी धराशाई हो चुकी है। झूठ ज्यादा टिकाऊ नहीं होता। कब तक टिकेगा सत्य हमेशा विजई होता है। इस मौके पर जिला सचिव श्री बृजेश कुमार गौतम मीडिया प्रभारी सवानंद चौबे राममूर्ति कुशवाहा श्री मोहन राजभर श्री अरुण कुमार श्रीवास्तव श्री अमित कुमार पांडे अन्य दलों के लोग भी मौजूद रहे।

गांव की समस्या गांव में समाधान के तर्ज पर शेरपुर में हुआ ग्राम चौपाल का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शासन की मंशा के अनुसार प्रत्येक शुक्रवार को होने वाले विकासखंड की 2 ग्राम पंचायतों में " गांव की समस्या गांव में समाधान" के क्रम में ग्राम चौपाल का आयोजन शहीद संस्मरण इण्टर कालेज शेरपुर खुर्द में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जयानंद राय की अध्यक्षता में किया गया। ग्राम चौपाल में मुख्य रूप से पेंशन, आवास, शौचालय, बिजली के जर्जर तार, आगनवाड़ी खाद्यान्न वितरण में अनियमितता ,सड़क आदि समस्या सामने आई, कुछ समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया, विशेष रुप से पेंशन में ई केवाईसी न होने के कारण पेंशन नहीं मिल रहा है इस विषय में लोगों को ई केवाईसी जल्द कराने के लिए बताया गया। जन चौपाल में मुख्य रूप से एडीओ पंचायत, समाजकल्याण, सहकारिता, आई0एस0वी0, लेखपाल प्रशांत राय सिंह, सहित मुन्ना राय, राकेश राय, छोटन राय, ज्ञानेंद्र राय, उपेंद्र राय, रोशन राय, अजय यादव, आशा बहु, आगनवाड़ी, सफाई कर्मचारी, सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे,ग्राम चौपाल का संचालन सचिव सूर्यभान राय द्वारा किया गया ।

रीता विश्वकर्मा को समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चुनने पर हर्ष

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रीता विश्वकर्मा को समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य नामित किये जाने पर कार्यकताओं ने आज पार्टी कार्यालय समता भवन पर जतायी खुशी और इस मनोनयन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह के प्रति आभार जताया। जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने उनके मनोनयन पर खुशी का इजहार करते कहा कि रीता को राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य बनने से जनपद का सम्मान तो बढ़ा ही है, इस मनोनयन से पार्टी को मजबूती भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सर्वसमाज की पार्टी है इसके बावजूद समाजवादी पार्टी ने जब भी अवसर मिला है हमेशा पिछड़ों का सम्मान और उन्हें आगे बढ़ाने का काम किया है। भाजपा का पिछड़ा प्रेम तो दिखावा है। इनका पिछड़ा प्रेम केवल चुनाव के वक्त दिखता है। अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री पद से हटने पर मुख्यमंत्री निवास को गंगाजल से धोकर मुख्यमंत्री निवास में प्रवेश करने वाले लोगो से हम पिछड़ा वर्ग का हितैषी होने की उम्मीद कैसे कर सकते है। जिनके मन में पिछड़ों के प्रति इतनी घृणा और नफरत हो उनका पिछड़ा प्रेम केवल चुनावी ही हो सकता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से आमिर अली, रविन्द्र प्रताप यादव, रामवचन यादव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, कन्हैयालाल विश्वकर्मा, अशोक कुमार बिंद, निजामुद्दीन खां, राजेश कुमार यादव, नरेंद्र कुशवाहा, दिनेश यादव, बाबी चौधरी , रामाशीष यादव,आदि उपस्थित रहे।

बेटी की विदाई करा घर लौट रहे चाचा की सड़क दुर्घटना में मौत, बहन, भाभी व पिता सहित पांच जख्मी

प्रखर मिजार्पुर। मथुरा से बेटी की विदाई कराकर घर लौट रहे बोलेरो सवार छः लोग बुधवार की रात आगरा के पास सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें लड़की के चाचा की मौत हो गई तथा तीन महिलाए, बोलेरो चालक व लड़की का पिता जख्मी हो गया। शुक्रवार की सुबह शव को लेकर घर पहुंचे परिजनो ने राजगढ़ पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस शव को अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया। राजगढ़ थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर गांव निवासी गुलाब राम की लड़की निशा की शादी मथुरा में हुई है। गुलाब राम अपने भाई लालचंद, बेटी बन्दना 22 वर्ष, बहु मनीषा 23 वर्ष, बोलेरो चालक रानू 25 वर्ष पुत्र जय सिंह हिनौता को साथ लेकर बेटी निशा 25 वर्ष की बिदाई कराने उसकी ससुराल मथुरा गया था। बेटी की बिदाई कराकर बोलेरो से सभी लोग मथुरा से वापस अपने घर आ रहे थे। कि आगरा हाईवे पर बुद्वार की रात लगभग दो बजे ट्रक और बोलेरो में जोरदार टक्कर हो गयी।जिससे बोलेरो में सवार सभी छः लोग घायल हो गए।सभी घायलों को एम्बुलेंस द्वारा आगरा अस्पताल पहुचाया गया।जहा इलाज के दौरान गुलाब के छोटे भाई लालचंद राम उम्र लगभग 45 वर्ष की मौत हो गयी।गुलाब राम भाई के शव तथा घायल दो बेटी,एक बहु तथा बोलेरो चालक रानू को दूसरी गाड़ी से लेकर शुक्रवार की रात इंदिरा नगर राजगढ़ अपने घर पहुचकर राजगढ़ थाना पर घटना की जानकारी दिया।सूचना मिलने पर गुलाब के घर पहुंची राजगढ़ पुलिस शव का पंचनामा कर अन्य परीक्षण के लिए भेज दिया। वहीं घायलों का इलाज कराया जा रहा है। लालचंद की मौत से परिजन रो-रोकर बेहाल हो गए। इस संबंध में राजगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक राणा प्रताप यादव ने बताया कि बेटी की विदाई कराकर घर लौट रहे चाचा की आगरा हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। शव को अंत परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। मृतक लालचंद के दो बेटे एवं दो बेटियां हैं।पत्नी की मृत्यु पहले ही हो चुकी है।

महिला ने पति के खिलाफ बिना तलाक के दूसरी शादी करने का आरोप लगाते हुए दर्ज कराया मुकदमा

प्रखर मिजार्पुर। हलिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता ने बृहस्पतिवार की देर शाम थाने में तहरीर देकर पति के खिलाफ बिना तलाक के दुसरी शादी करने तथा मारपीट व जान से मारने की धमकी देते हुए घर से बाहर निकाल देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है।दी गई तहरीर में विवाहिता ने बताया कि राजपुर गांव निवासी सरफराज के साथ शादी वर्ष 2016 में हुई थी।उसके उपरांत तीन बच्चे हुए।मेरा पति बिना तलाक दिए मेरी मर्जी के बिना दुसरे समुदाय के युवती के साथ शादी कर घर लाया है।युवती के साथ में एक बच्ची भी है।पति ने मुझे मारपीट कर घर से निकाल दिया तथा गाली गलौज तथा जान से मारने की धमकी दिया है।जिस पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है।इस संबंध में थानाध्यक्ष विष्णु प्रभा सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर महिला के पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

नोनहरा पुलिस ने किया जालसाजी से संबंधित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद व थानाध्यक्ष श्री संतोष राय के मार्गदर्शन में थाना स्थानीय पर पंजीकृत धारा 406/420/467/468/471 भादवि थाना नोनहरा गाजीपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मुनील कुमार यादव पुत्र दीनानाथ यादव ग्राम रायपुर थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर उम्र- 23 वर्ष को मुखबीर खास की सूचना पर शुक्रवार को समय 10.45 बजे आरीपुर तिराहा चट्टी से उप निरीक्षक अनिल कुमार मिश्रा व कांस्टेबल सोनू गौड़ द्वारा गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तगण के विरूद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अनिल कुमार मिश्रा थाना नोनहरा, कांस्टेबल सोनू गौड़ थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ वकीलों ने किया कार्य बहिष्कार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। तहसील बार एसोसिएशन के वकील शुक्रवार को रजिस्ट्रार कानूनगों के कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा को दिए पत्रक में आरोप लगाया कि रजिस्ट्रार कानूनगो (आर के) दफ्तर में इस समय व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार है। फाइल से मूल पत्रावली गायब कर दी जा रही है। कोई भी कर्मचारी जबाबदेही को तैयार नही है। जिससे कई महीनों बीतने के बाद भी आदेश नही हो पा रहा है। जिसके कारण शुक्रवार को सभी अधिवक्ता सम्पूर्ण दिवस न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे तथा समस्या समाधान न होने पर अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी। इस बार अध्यक्ष राजेश पटेल समेत अनेक वकील रहे।

जमीन और जान दोनों खतरे में, शोभनाथ ने डीएम के यहां लगाई अर्जी

प्रखर मिजार्पुर। देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम कतरन (डिहवा) निवासी शोभनाथ पुत्र शिवनारायण ने जिलाधिकारी मिजार्पुर को दिए अर्जी में गुहार लगाई है कि उनकी जान और माल की रक्षा की जाए पत्र के मुताबिक शोभनाथ ने लगभग एक दर्जन लोगों के खिलाफ जिसमें लखंदर ,बबलू, मुकेश, महेंद्र ,संतोष, मंत्री , महेश ,राहुल ,लखन, चीनी, आदि पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनतीस जुलाई को उनकी खरीदी हुई जमीन पर अवैध रूप से एक दर्जन लोग जान मारने की धमकी देते हुए जमीन कब्जा करने का ऐलान कर दिया उसके बाद प्रार्थी डर और सदमे में आकर तत्काल पुलिस की मदद लेना चाहा 112 नंबर पर फोन से पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद चौकी इंचार्ज बरकच्छा के द्वारा पीड़ित प्रार्थी को ही चौकी पर बुला लिया गया और 107 ,116 ,151 में चालान कर दिया गया, उसके बावजूद विपक्षी गणों के द्वारा निरंतर धमकी दिए जाने का सिलसिला बदस्तूर जारी रहा। विपक्षियों के द्वारा परिवार को खत्म करने की धमकी के बाद विपक्षी जमीन को कब्जा करने की नियत से निरंतर दबाव बना रहे हैं जबकि शोभनाथ के मुताबिक आराजी संख्या 114 रकवा पांच का मामला न्यायालय से शोभनाथ के पक्ष में आदेश जारी किया जा चुका है। शोभनाथ के मुताबिक शोभनाथ के पक्ष में जारी आदेश के खिलाफ विपक्षियों ने उच्च न्यायालय का रुख किया जहां पर हाई कोर्ट के द्वारा भी उक्त जमीन पर स्थगन आदेश जारी किया गया है उच्च न्यायालय के द्वारा जारी स्थगन आदेश के बावजूद शोभनाथ ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि उसकी जमीन पर निरंतर विपक्षी कब्जा करने की फिराक में पड़े हैं और कभी भी उनकी जान जा सकती है शोभनाथ ने अपनी जान और जमीन की सुरक्षा की गुहार जिलाधिकारी मिजार्पुर और पुलिस अधीक्षक से लगाई है। सोमनाथ ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि न्यायालय के आदेश का पालन कराया जाना स्थानीय पुलिस की जिम्मेदारी है ऐसे में बरकच्छा चौकी को अपने कार्य ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक करना चाहिए।

मिशन शक्ति के अंतर्गत छात्राओं को किया गया जागरूक

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के पं०मदन मोहन मालवीय इ०का०सिखड़ी की छात्राओं को मिशन शक्ति के अंतर्गत नारी सुरक्षा सम्मान और स्वावलंबन की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। दुल्लहपुर थाना की महिला आरक्षी पूर्णिमा सिंह ने प्रभावशाली तरीके से अपना विचार रखा। छात्राओं में स्वावलंबन साहस और आत्मविश्वास भरते हुए बताया कि नारी स्वयं उस शक्ति का स्वरूप है। जिसके आगे बड़ी से बड़ी शक्तियां नत मस्तक हो जाती हैं।अब तो नारी के स्वाभिमान सम्मान सुरक्षा तथा स्वावलंबन हेतु सरकार भी पूर्ण रूप से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है। महिला अपराधों की रोक थाम के लिए प्रदेश के सभी 1355थानो में शक्ति मोबाइल का गठन भी किया है। महिला से संबंधित अपराधों में संलिप्त पाए गए अपराधियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई जनता में संतोष और विश्वास बनकर उभरा है। महिला पुलिस बीट तथा महिला बीट पुलिस अधिकारी, महिला साईबर सेल की जानकारी देते हुए कहा कि सभी परिक्षेत्र मुख्यालयों पर कार्यरत साईबर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत महिला साईबर सेल का गठन किया गया है। जिससे महिला अपराधों में कमी देखने को मिल रही है। महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी परामर्श केंद्र एवं मिशन शक्ति के अलावा महिला अपराधों पर त्वरित कार्रवाई की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि महिला एवं बाल अपराधों में प्रभावी अभियोजन के परिणाम स्वरूप पैंतीस अपराधियों को मृत्यु दंड,बारह सौ अपराधियों को दस वर्ष से अधिक तथा 3420 अपराधियो को दस वर्ष से कम की सजा दी गई। मातृशक्ति को संबल बनाने और निश्चिंत साहस पूर्ण जीवन जीने का संबल प्रदान करते हुए सबका अपराध के खिलाफ खड़ा होने का आह्वान किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य नीरज राय, गौरीशंकर पाण्डेय, हे०का० रवि प्रताप यादव ऋषिकेश प्रजापति, विनिता पटेल तथा विद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

करेंट के चपेट में आने से युवक सहित गाय की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भांवरकोल थाना क्षेत्र के शेरपुर कला निवासी देवेंद्र यादव उम्र 28 की करंट की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर उपस्थित लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में ले लिया। जानकारी के अनुसार देवेंद्र यादव गांव की पश्चिम गाय चराने गया था। वहीं सिवान में अपने खेत की फसलों को बचाने की दृष्टि से किसान अपने उस खेत को तार से घेर दिया है। उसी तार में कहीं से बिजली का करंट आ गया था। देवेंद्र यादव की गाय चरते चरते उस तार के पास पहुंच गई और तार छू जाने के कारण उसमे में प्रवाहित करंट की जद में आ गई। ऐसा देख देवेंद्र यादव उसे बचाने के लिए के जैसे ही गाय के पास पहुंचकर तार से उसे हटाना चाहे कि यादव स्वयं भी तार में प्रवाहित करंट की जद में आ गए। जद में आने से देवेंद्र यादव तथा गाय दोनों की घटनास्थल पर मौत हो गई। सूचना पाकर थानाध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह अपने सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया थानाध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह ने कहा कि खेत को घेरे हुए तार में किसी तरह से बिजली का करंट आ गया था जिससे देवेंद्र यादव और उनकी गाय की करंट की जद में आने से मौत हो गई।

दीपक उपाध्याय के नेतृत्व में हमीद सेतु पर खराब स्ट्रीट लाइट व जाली के लिए सौंपा पत्रक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजसेवी व पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय के नेतृत्व में छात्रों ने वीर अब्दुल हमीद सेतु पुल पर खराब पड़े स्ट्रीट लाइट को ठीक कराने व पुल के दोनों तरफ दस फीट की जाली लगाने संबंधित मुख्यमंत्री के नाम संबोधित पत्रक एसडीएम सदर प्रखर उत्तम को सौंपा। समाजसेवी दीपक उपाध्याय ने कहा कि गाजीपुर के वीर शहीद अब्दुल हमीद के नाम पर बने गंगा पुल पर कई वर्षों से स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हैं तथा पुल के दोनों तरफ जालीदार जाली नहीं होने से लगातार छात्र-छात्राओं व बुजुर्गों द्वारा पुल से गंगा नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर रहे हैं और इस सभी समस्याओं को लेकर लगातार जिला प्रशासन को पत्रक के माध्यम से अवगत कराया गया है। लेकिन जिला प्रशासन कि उदासीनता के चलते अब तक इन समस्याओं को दूर नहीं किया जा सका, जिससे आमजन में रोष व्याप्त है। और इन सभी मामले को लेकर आज मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एसडीएम को पत्रक दिया गया है और शीघ्र इसपर कारवाई कि मांग कि गयी है, मांग पूरी नहीं होने पर हम सभी हमीद सेतु पुल पर ही धरना-प्रदर्शन पर बैठने को विवश होंगे। इस मौके पर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष संदीप यादव, छात्र नेता शशांक उपाध्याय, वाणिज्य संकाय प्रतिनिधि शिवम पाल, धीरज सिंह, विकास तिवारी अभिषेक वर्मा, दीपक उपाध्याय इत्यादि लोग मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों की मांगों पर कार्यवाही का नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने दिया आश्वासन

प्रखर मिजार्पुर।नगर पालिका के लालडिग्गी स्थित प्रधान कार्यालय पर उत्तर प्रदेशीय कर्मचारी संगठन के बैनर तले सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी को दस सूत्रीय मांगों का पत्रक सौंपा।सफाई कर्मचारियों ने नपाध्यक्ष से कहा की समय से वेतन न मिलने के कारण उनके आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए उनके बकाए वेतन को जल्द से जल्द खाते में डाला जाय।इसके साथ संविदाकार द्वारा उनके पीएफ की कटौती तो कर ली जा रही है लेकिन पैसा खाते में जमा नही किया जा रहा है,पीएफ के पैसे को उनके ईपीएफओ अकाउंट में डाला जाय।सफाई कर्मचारियों द्वारा शासनादेश के अनुसार कुशल, अर्धकुशल, अकुशल श्रेणी के अनुसार वेतन देने की मांग की।जबकि वर्तमान समय में पालिका द्वारा सभी को एकसमान वेतन दिया जा रहा है।सफाई कर्मचारियों को अन्य निगमों और पालिकाओं की तरह हर माह झाड़ू दिया जाए।नगर पालिका के कर्मचारियों का आयुष्मान कार्ड भी बनाया जाए।जिससे सरकार की पांच लाख तक के मुफ्त इलाज का लाभ सफाई कर्मचारी उठा सकें। आउट सोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को रविवार के ही दिन सामूहिक अवकाश दिया जाए। इसके साथ ही कर्मचारियों को सातवे वेतन के लाभ के साथ एरियर का भी भुगतान जल्द किया जाए। कर्मचारियों की मांग पर नपाध्यक्ष ने कार्यवाही करने का आश्वाशन दिया।उन्होंने कहा की आप लोगो ने कोरोना काल में भी अपनी जान की बाजी लगाकर सेवाए दी थी। आप लोग कर्मचारी के साथ एक नागरिक भी है। अपने नगर को स्वच्छ और सुंदर रखने के लिए आपकी भी जिम्मेदारी है। आप सभी नगर पालिका परिवार के सदस्य है और मुखिया होने के नाते परिवार की सदस्यों की समस्या का निस्तारण करना मेरी जिम्मेदारी है।आपकी समस्या को लेकर पहले ही एक कमेटी का गठन किया जा चुका है। मास्टर रोल समय से न जमा होने के कारण वेतन जाने में देर लगती है। मास्टर रोल को समय से जमा करने के लिए सभी विभागाध्यक्षो, सफाई नायकों, निरीक्षकों को कड़ाई के साथ निर्देशित किया जा चुका है। सफाई कर्मचारियों के जून माह का वेतन सभी के खाते में चला गया है और गत जुलाई माह का वेतन भी जल्द ही सफाई कर्मचारियों के खाते में पहुंच जायेगा। पिछली बैठक में मेरे द्वारा ही आप लोगो का आयुष्मान कार्ड बनवाने और मेडिकल चेकअप करवाने की बात कही गई थी। मुख्य चिकित्साधिकारी से वार्ता कर आयुष्मान कार्ड और मेडिकल हेल्थ कैंप जल्द ही करवाने का प्रयास करूंगा। शासनादेश के अनुसार जो भी मांगे आप लोगो के द्वारा की गई उनको पूरा किया जायेगा।इस मौके पर सभासद रूपेश यादव,ऋषभ जायसवाल, कर्मचारी संगठन से आशीष सुदर्शन,कल्लू नारायण, सुधीर, अमिताभ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सर्पदंश सप्ताह पर सीएमओ ने सर्प दंश से बचाव के लिए जनहित में की अपील

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी ने जनपदवासियो से अपील किया है कि सर्पदंश सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत साफ के काटने से क्या करें क्या ना करे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सांप से दूर हो जाये और घबराये नहीं, जिस जगह पर सर्पदंश है, वहां से सभी प्रकार के आभूषण जैसे-घड़ी, अंगूठी आदि को निकाल दें, सर्पदंश पीड़ित व्यक्ति को शांत और स्थिर रहने के लिए कहें, सर्पदंश पीड़ित को तुरन्त नजदीकी अस्पताल लेकर जायें, पीड़ित व्यक्ति का सिर ऊंचा करके लिटाये या बैठायें, घाव को तुरन्त गर्म पानी या साबुन से साफ करें, सांप के रंग और आकार को देखने और याद रखने की कोशिश करें, काटे हुए अंग को पट्टी या सूती कपड़े से बांध दें, सर्पदंश को साफ व सूखे कपड़े से ढ़क दें, सांप द्वारा काटे जाने पर यह बिल्कुल न करें, सर्पदंश वाले भाग में डोरी या रस्सी न बांधे, सर्पदंश की जगह पर किसी धारदार वस्तु से काटकर, दबाकर चूसकर जहर को निकालने का प्रयास न करें, सांप काटने की स्थिति में सांप को पकड़ने की कोशिश बिल्कुल न करें यह खतरनाक हो सकता है, सांप कांटने पर पीड़ित व्यक्ति का पारम्परिक इलाज कर-के समय की बबार्दी न करें, क्योंकि यह विश्वसनीय नही होता है, सांप द्वारा शरीर के काटे गये अंग को न मोड़े एवं काटे गये स्थान पर बर्फ का प्रयोग न करें। उन्होने सर्पदंश से बचाव के निम्नलिखित उपाय किये जाने हेतु अपील किया है मलबे या अन्य वस्तुओं के नीचे सांप हो सकते है, सतर्क रहें, सर्पदंश को रोकने के लिए उपयुक्त जूते और कपड़े पहने, सांप के मृत होने की स्थिति में भी सांप को हाथ न लगायें, घर से बाहर रात्रि भ्रमण के दौरान सदैव टार्च या लालटेन का प्रयोग करें। ऊंची जमीन पर जाने के लिए पानी में तैरते समय सांपो से सावधान रहें, सांप को अपने आस-पास देखने पर धीरे-धीरे उससे पीछे हटें, सांप को पकड़ने या मारने की कोशिश न करें, अपने घर में सांप होने की स्थिति में तुरंत अपने कम्यूनिटी सेन्टर में पशु नियंत्रण के नंबर पर कॉल करें।

छात्र-छात्राओं ने अपने परफार्मेंस से दिया

देश भक्ति का संदेश

सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र द्वारा नि: शुल्क अंतर्राज्यीय सांगीतिक प्रतियोगिता का प्रथम चरण जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की। इस प्रतियोगिता में दिल्ली के विद्यालयो के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता देशभक्ति एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित गीतों पर रखी गई थी। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा- समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल, रोहिणी , द्वितीय स्थान-आदर्श पब्लिक स्कूल , बाली नगर ने और लवली पब्लिक स्कूल, ल्यालपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं गायन में प्रथम स्थान, वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल, रोहिणी ने द्वितीय स्थान, बाल भारती स्कूल, रोहिणी ने और तृतीय स्थान, लवली पब्लिक स्कूल, प्रियदर्शिनी विहार ने प्राप्त किया। सभी स्कूलों ने मनमोहक प्रस्तुतियां पेश की। इस अवसर पर आलेय मुहम्मद इकबाल, (डिप्टी मेयर) पंडित कृष्णा मोहन महाराज, बिजेश कुमार शर्मा (ओषध)/ प्रिंसिपल, दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल, डायरेक्टरेट ऑफ एजुकेश नसीटी दिल्ली), मिस्टर आनद मिश्रा (डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस), मिस्टर जितेंदर मणि त्रिपाठी (जॉइंट ष्ट्क दिल्ली पुलिस), मिस्टर पुनीत पटेल (एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, ईस्ट दिल्ली) के अलावा गई गणमान्य उपस्थि रहे। सभी वालंटियर व सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र के प्राचार्य दीपेंद्र कांत द्वारा सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर अभिवादन किया गया। ●

ब्लॉगिंग में फेम पाने के साथ-साथ कर सकते हैं कमाई

अमूमन सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते वक्त आमतौपर किसी न किसी ब्लॉगर की पोस्ट सामने आ ही जाती है। अब इनमें से कोई ट्रैवल से जुड़ा है तो कोई हेल्थ से। अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े ये ब्लॉगर आमतौर पर हर दिन कुछ न कुछ नई जानकारी अपने फॉलोअर के साथ शेयर करते रहते हैं। सोशल मीडिया पर इनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग भी होती है। ऐसे में अगर आप भी इस फील्ड में आगे बढ़ने का सोच रहे हैं तो आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि ब्लॉगिंग में कैसे करियर बना सकते हैं। आइए जानते हैं। ब्लॉगिंग कोई नया फील्ड नहीं है। हालांकि, पिछले कुछ सालों से इस क्षेत्र में यूथ का रुझान कुछ ज्यादा देखने को मिला है। अब तेजी से युवा इस तरफ आकर्षिक हो रहे हैं। कुछ फुल टाइम तो वहीं कुछ ऐसे हैं, जो जॉब के साथ-साथ पार्ट टाइम ब्लॉग बना रहे हैं। बात करें इस फील्ड में आगे बढ़ने के लिए तो सबसे ज्यादा जरूरी क्रिएटिविटी है। क्योंकि, बिना इसके आप इस क्षेत्र में एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकेंगे। आपको अपने कंटेट को अलग तरह से प्रेजेंट करने का हुनर आता है तो ही आप इसमे अपनी एक अलग पहचान बना सकते हैं।

इन फील्ड में कर सकते हैं ब्लॉगिंग

हेल्थ ,फैशन, फूड, एजुकेशन, टूरिज्म और गैजेट्स समेत अन्य क्षेत्र के लिए ब्लॉगिंग कर सकते हैं।

रिसर्च पर करें फोकस

इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अपने ब्लॉग को दूसरे से अलग बनाने के लिए आपको जरूरी है कि आप, जिस क्षेत्र में हैं उससे जुड़े कंटेट लिखने या वीडियो बनाने के लिए खूब रिसर्च करें।

अच्छे टॉपिक पर अपना ब्लॉग बनाएं, जिससे आपकी मार्केट में एक अलग पहचान बन सके।

पैसे के लिए करना पड़ सकता है इंतजार

इस क्षेत्र में पैसा कमाना थोड़ी देरी से शुरू होता है लेकिन, एक बार जब आपकी पहचान बन जाती है तो फिर धीरे-धीरे अच्छे पैसे मिलने लगते हैं। लोग आपको जानने लगते हैं तो आपको अलग-अलग प्रोजेक्ट्स मिलने शुरू हो जाते हैं। आप अपने प्राइवेट ब्लॉग पर प्रायोजित कंटेट पब्लिश कर सकते हैं। अगर आप ट्रैवल ब्लॉगर हैं तो आप अपनी यात्रा की तस्वीरे और वीडियो ट्रैवल वेबसाइट को बेचकर पैसे कमा सकते हैं। ●

लम्बे कैरियर के लिए अपना सकते हैं ये टिप्स

दीर्घकालिक कैरियर लक्ष्यों को प्राप्त करने की खोज में, अल्पकालिक लक्ष्यों को स्थापित करना और प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अल्पकालिक लक्ष्य कदम के पत्थर के रूप में कार्य करते हैं, व्यक्तियों को उनकी बड़ी महत्वाकांक्षाओं की प्राप्ति की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं।

अल्पकालिक लक्ष्यों की परिभाषा

अल्पकालिक लक्ष्य विशिष्ट और प्राप्त करने योग्य उद्देश्य हैं जिन्हें अपेक्षाकृत संक्षिप्त समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये लक्ष्य आम तौर पर हफ्तों से कुछ महीनों की अवधि को कवर करते हैं और किसी व्यक्ति के समग्र विकास और उन्नति में योगदान करते हैं।

अल्पकालिक लक्ष्यों का महत्व

अल्पकालिक लक्ष्य कैरियर की सफलता के लिए आवश्यक बिल्डिंग ब्लॉक के रूप में काम करते हैं। वे दिशा, ध्यान और प्रेरणा की भावना प्रदान करते हैं, जिससे व्यक्तियों को उनकी दीर्घकालिक आकांक्षाओं की विशालता से अभिभूत महसूस करने से रोका जाता है।

अल्पकालिक के लाभ

केंद्रित दृष्टिकोण

अल्पकालिक लक्ष्यों को स्थापित करके, व्यक्ति अपने प्रयासों और ऊर्जा को कुशलता पूर्वक चैनल कर सकते हैं। यह केंद्रित दृष्टिकोण उन्हें स्थिर प्रगति करने और उनकी प्रगति को प्रभावी ढंग से ट्रैक करने की अनुमति देता है।

मापनीय प्रगति

अल्पकालिक लक्ष्य मूर्त और मापने योग्य होते हैं, जिससे व्यक्तियों को अपने विकास को सटीक रूप से मापने में मदद मिलती है। रास्ते में छोटी जीत का जश्न मनाने से उपलब्धि और आत्मविश्वास की भावना को बढ़ावा मिलता है।

प्रेरणा और आत्मविश्वास

चूंकि अल्पकालिक लक्ष्यों को नियमित रूप से प्राप्त किया जाता है, व्यक्तियों को बढ़ी हुई प्रेरणा और आत्म-आश्वासन में वृद्धि का अनुभव होता है। यह सकारात्मक सुदृढीकरण उनके दीर्घकालिक कैरियर आकांक्षाओं के लिए बने रहने और प्रयास करने के उनके दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देता है।

दीर्घकालिक कैरियर लक्ष्यों की पहचान करना

अल्पकालिक लक्ष्यों को संरेखित करने से पहले, दीर्घकालिक कैरियर के उद्देश्यों को पहचानना और परिभाषित करना महत्वपूर्ण है। वांछित समापन बिंदु के बारे में स्पष्टता प्रासंगिक और पूरक अल्पकालिक लक्ष्यों की स्थापना की सुविधा प्रदान करती है।

चुनौतियों पर काबू पाना

चुनौतियां और असफलताएं अपरिहार्य हैं। इन बाधाओं को सीखने और बढ़ने के अवसरों के रूप में गले लगाना आवश्यक है, बजाय इसके कि उन्हें प्रगति को रोकने की अनुमति दी जाए। परिवर्तन के लिए अनुकूलनीय और खुला होना अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों लक्ष्यों की खोज में महत्वपूर्ण है। लचीलापन व्यक्तियों को परिस्थितियों के विकसित होने के साथ अपनी योजनाओं को समायोजित करने की अनुमति देता है। ●

12वीं के बाद चुनें ये टॉप ऑफबीट करियर

कक्षा 12वीं में तीन स्ट्रीम- कॉमर्स, आर्ट्स और साइंस की पढ़ाई होती है। साइंस में बायोलॉजी या मैथ्य में से कोई एक लेना होता है। आमतौर पर कॉमर्स लेने वाले छात्र 12वीं के बाद सीए, बैंकिंग या बीकॉम करते हैं। वहीं, साइंस बायोलॉजी वालें छात्र मेडिकल या फार्मेसी में जाते हैं। जबकि साइंस वाले इंजीनियरिंग को चुनते हैं। बहुत कम छात्र इस लीक से हटकर करियर बनाने की सोचते हैं।

आर्ट्स स्ट्रीम वालों के पास करियर विकल्प के तौर पर कई ऑप्शन होते हैं, फिर भी भेड़चाल करते हुए सिविल सर्विस की तैयारी या ग्रेजुएशन के बाद टीचिंग को चुनते हैं। आज हम आपको कम समय में ज्यादा कमाई कराने वाले कोर्स के बारे में बताने जा रहे हैं। इन कोर्स को करने के बाद आप लाखों की नौकरी पा सकते हैं।

क्रिएटिव मीडिया

12वीं के बाद छात्र क्रिएटिव मीडिया में कोर्स करके शानदार नौकरी पा सकते हैं। इन दिनों क्रिएटिव आर्ट काफी डिमांड में है। अगर आप क्रिएटिव स्किल रखते हैं तो गेम डिजाइनर कोर्स भी कर सकते हैं। कई कंपनियां हाई सैलरी पर इन्हें हायर करती हैं।

ग्राफिक डिजाइनिंग कोर्स मार्केट में ग्राफिक डिजाइनिंग के क्षेत्र में कई तरह के कोर्स मौजूद हैं। 12वीं के बाद शॉर्ट टर्म कोर्स के तौर पर ग्राफिक डिजाइनिंग कोर्स कर सकते हैं। इसमें फाइन बैचलर डिग्री, ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डिजाइन, विजुअल कम्यूनिकेशन प्रोग्राम, प्रींटिंग एंड मीडिया इंजीनियरिंग कोर्स और विजुअल कम्यूनिकेशन जैसे कोर्स काफी मशहूर हैं।

पेंट टेक्नोलॉजी कोर्स ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और होम फर्निशिंग कंपनियां पेंट टेक्नोलॉजी में ग्रेजुएट को हाई सैलरी पर हायर कर रही हैं। ●

डाइटिशियन बन करियर को दें एक नया मुकाम

आज के वक्त में हम किसी भी प्रॉब्लम के लिए जब, डॉक्टर के पास पहुंचते हैं तो वे मर्ज को समझने और पर्याप्त दवाएं देने के बाद अमूमन यही राय देते हैं कि डाइट का ध्यान रखिए। हेल्दी डाइट लीजिए। अपने भोजन में विटामिन और प्रोटीन की सही मात्रा लीजिए। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये सही-सही डाइट केवल आपको हष्ट-पुष्ट नहीं रखती है। आप चाहें तो इस फील्ड में आगे बढ़कर आप अपने भविष्य को भी संवार सकते हैं। जी हां, डायटिशियन बनकर आप अपने करियर को नया मुकाम दे सकते हैं। आइए जानते हैं इस जॉब प्रोफाइल से जुड़ी अन्य अहम डिटेल्स

डायटिशियन बनने के लिए योग्यता

इस फील्ड में आगे बढ़ने के लिए कैंडिडेट्स यूजी और पीजी दोनों लेवल के प्रोगाम चुन सकते हैं। इन प्रोगाम में एडमिशन के लिए आपको एंट्रेंस एग्जाम क्रैक करना होगा। वहीं, अगर आप ग्रेजुएशन लेवल के प्रोगाम में दाखिला लेना चाहते हैं तो आपको जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं पास होना चाहिए।

-ग्रेजुएशन और पोस्टग्रेजुएशन लेवल पर ये कोर्सेज हैं मौजूद

-बीएससी इन फूड साइंस एंड न्यूट्रीशियन

-बीएससी इन न्यूट्रीशियन एंड Dietetics

-एमएससी इन फूड साइंस एंड न्यूट्रीशियन

इन स्किल्स का भी होना है जरूरी

-साइंटिफिक Curiosity

कम्युनिकेशन स्किल्स

-टीम वर्क

ये हैं जॉब के विकल्प

बतौर Dietitian आपके पास नौकरी के तमामत विकल्प हैं। अगर आप चाहें तो पार्ट टाइम या फिर फुल टाइम में भी काम कर सकते हैं। पार्ट टाइम के तौर पर आप किसी भी जिम और योग सेंटर में काम कर सकते हैं। इसके अलावा फुल टाइम में आपके पास, अस्पताल, नर्सिंग होम और सरकारी स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य स्थानों पर काम कर सकते हैं। ●

इस तरह आप भी बन सकते हैं विदेश मंत्रालय में स्टेनोग्राफर

कर्मचारी चयन आयोग प्रतिवर्ष विदेश मंत्रालय में स्टेनोग्राफर के पदों पर भर्ती निकालता है। अगर आप भी स्टेनोग्राफर भर्ती की तैयारी कर रहे हैं और विदेश मंत्रालय में सरकारी नौकरी का सपना देख रहे हैं तो सबसे पहले आपको जानना जरूरी है कि विदेश मंत्रालय में स्टेनोग्राफर बनने की क्या प्रक्रिया है। विदेश मंत्रालय में स्टेनोग्राफर बनने से संबंधित पूर्ण जानकारी जैसे- योग्यता एवं मापदंड, चयन प्रक्रिया आदि से संबंधित पूर्ण जानकारी यहां प्रदान की जा रही है।

स्टेनोग्राफर बनने के लिए योग्यता

अगर आप विदेश मंत्रालय में स्टेनोग्राफर बनना चाहते हैं तो इस पद के लिए भर्ती स्टाफ सिलेक्शन कमीशन ग्रेड C के अंतर्गत निकलता है। इस पद के लिए आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/ संस्थान से 10+2 (बारहवीं) कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके अलावा अभ्यर्थी का ट्रांस्क्रिप्शन 40 मिनट अंग्रेजी एवं 55 मिनट हिंदी होना चाहिए।

आयु सीमा

विदेश मंत्रालय में स्टेनोग्राफर बनने के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 30 वर्ष तय की गयी है। आरक्षित वर्ग में एससी/ एसटी को 5 वर्ष, ओबीसी को 3 वर्ष वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। इस अनुसार पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों को कैटेगरी के अनुसार 10/ 13/ 15 साल की छूट दी जाएगी। इसके साथ ही एक्स सर्विसमैन को भी ऊपरी आयु सीमा में छूट नियमानुसार दी जाएगी।

ऐसे होता है चयन

जो अभ्यर्थी इसमें शामिल होने के लिए आवेदन करेंगे उनको कंप्यूटर बेस्ड एग्जामिनेशन में शामिल होना होगा। CBE में 200 प्रश्न पूछे जायेंगे और सभी प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है। जनरल इंटेलिजेंस एवं रीजनिंग से 50, जनरल अवेयरनेस से 50, अंग्रेजी लैंग्वेज एवं कॉम्प्रिहेंसन से 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रश्न पत्र हल करने के लिए 2 घंटे का समय प्रदान किया जाएगा। जो उम्मीदवार सीबीई में निर्धारित कटऑफ अंक प्राप्त करेंगे उनको स्किल टेस्ट इन स्टेनोग्राफी के लिए आमंत्रित किया जाएगा। सभी प्रक्रिया में सफल उम्मीदवारों को रिक्त पदों पर तैनात किया जाएगा। ●

सड़कों के लिए नहीं हुआ था ट्रैफिक सिग्नल का आविष्कार

एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए हम सड़कों का इस्तेमाल करते हैं। सड़कों पर आजकल गाड़ियों की संख्या काफी बढ़ गई है। ऐसे में सुरक्षा के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। आपने सड़क पर चलते हुए कई तरह के ट्रैफिक साइन देखे होंगे, इसके अलावा ट्रैफिक सिग्नल लाइट भी देखी होगी। क्या आप जानते हैं ट्रैफिक सिग्नल का आविष्कार किसने किया था?

ट्रैफिक लाइट का आविष्कार ट्रैफिक लाइट का आविष्कार रेलवे के लिए किया गया था। रेल यातायात को नियंत्रित करने के लिए ब्रिटिश रेलवे प्रबंधक जॉन पीक नाइट ने एक रेलमार्ग पद्धति अपनाने का सुझाव दिया। ऐसे में रेलवे सिग्नलिंग इंजीनियर जेपी नाइट ने पहले ट्रैफिक सिग्नल का आविष्कार किया था।

ऐसे होता था इस्तेमाल

रेलमार्गों पर सेमाफोर प्रणाली उपयोग की, जिसमें एक खंभे से फैले छोटे बोर्ड से ट्रेन के गुजरने का संकेत दिया जाता था। दिन में रुको और जाओ का सिग्नल दिया जाता था, जबकि रात में लाल और हरी रोशनी का इस्तेमाल करके यह सिग्नल दिया जाता था, जिसे रोशन करने के लिए गैस लैंप का इस्तेमाल किया जाता था। इन लैंपों को ऑपरेट करने के लिए हर खंभे पर पुलिसवाले तैनात किए जाते थे।

दुनिया का पहला ट्रैफिक सिग्नल

दुनिया का पहला ट्रैफिक सिग्नल लंदन के वेस्टमिंस्टर क्षेत्र में ब्रिज स्ट्रीट और ग्रेट जॉर्ज स्ट्रीट के चौराहे पर संसद भवन और वेस्टमिंस्टर ब्रिज के पास दिसंबर 1868 को स्थापित किया गया था।

ट्रैफिक लाइट की हिस्ट्री

ट्रैफिक जाम की समस्या 1800 के दशक से चली आ रही है, तब ऑटोमोबाइल का आविष्कार भी नहीं हुआ था। उस दौरान लंदन की सड़कों पर पैदल यात्रियों और घोड़े से खींची जाने वाली गाड़ियों की भीड़ लगी रहती थी। गार्जियन ने एक शोध साझा किया था, जिसके मुताबिक आधुनिक ट्रैफिक लाइट एक अमेरिकी आविष्कार है।

जिसे 1914 में क्लीवलैंड में स्थापित किया गया था। वहीं, वॉल्वरहैम्प्टन ने 1926 में एक टाइम पीरियड पर काम करने वाले यानी थोड़ी-थोड़ी देर बाद बदलने वाले ऑटोमैटिक सिग्नल स्थापित किए थे ●

GENERAL KNOWLEDGE

इंसान की ऐसी कौन सी चीज है जो हमेशा गीली रहती है?

उत्तर:-जीभ

ऐसी क्या चीज है जिसके जितना पास जाओगे उतना ही कम दिखाई देगा ऐसा क्या?

उत्तर:-अंधेरा

ऐसी कौन की चीज है जलता भी नहीं है और डूबता भी नहीं है?

उत्तर:-बर्फ

वह कौन है जो दिन में तो होता है लेकिन रात में नहीं?

उत्तर:-सूरज

भारत का सबसे पुराना विश्वविद्यालय कौन सा है?

उत्तर:- नालंदा विश्वविद्यालय।

ऐसी कौन सी चीज है जिसे काटने के बाद लोग खुश होते हैं?

उत्तर:-केक

ऐसी कौन सी चीज है जिसे हम खाते हैं लेकिन उसे देख नहीं सकते?

उत्तर:-कसम

भारत के किस राज्य में केसर का उत्पादन सबसे ज्यादा होता है?

उत्तर:-जम्मू कश्मीर में

ऐसा क्या है जो ऊपर नीचे होता है लेकिन हिलता नहीं है?

उत्तर:-तापमान

ऐसा कौन सा धर्म है जिसको आगे से पढ़ो या पीछे से नाम नहीं बदलता ?

उत्तर:-ईसाई धर्म

सोने की ऐसी कौन सी चीज है जिसे सुनार नहीं बेचता है?

उत्तर:-चारपाई, पलंग ●

खबर संक्षेप

डाबर इंडिया का लाभ पांच प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया का चालू वित्त वर्ष की पहली (जून) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 464 करोड़ रुपये रहा। ब्रिकी बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने पिछले वर्ष की समान अवधि में 440 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

मारुति ऑल्टो की बिक्री 45 लाख इकाई पार

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की लोकप्रिय छोटी कार ऑल्टो की 45 लाख से अधिक इकाइयां बिक चुकी हैं। कंपनी ने वर्ष 2000 में इस मॉडल को बाजार में उतारा था और 2004 तक यह देश की सबसे अधिक बिकने वाली कार बन गई थी। मारुति ने बृहस्पतिवार को बताया कि 2008 में इसकी 10 लाख से अधिक इकाइयां बिक गईं थी।

जिंसों के ऊंचे दाम से खाद्य उद्योग प्रभावित

कोलकाता। रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा है कि जिस खाद्य क्षेत्र में वह काम करती है वह जिंसों की ऊंची कीमतों, बढ़ती ब्याज दरों और रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण काफी प्रभावित हुआ है। कंपनी ने 2022-23 की रिपोर्ट में कहा कि दीर्घकालिक प्रभाव बड़े पैमाने पर महसूस किए जा रहे हैं।

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने ब्याज दर बढ़ाई

लंदन। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अपनी प्रमुख ब्याज दर में वृद्धि करते हुए इसे 15 साल के उच्चस्तर पर पहुंचा दिया है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने यह कदम महंगाई पर काबू पाने के लिए उठाया है। ब्याज दर को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया है। यह केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर में लगातार 14वीं वृद्धि थी। अर्थशास्त्रियों को व्यापक रूप से इसकी उम्मीद थी।

सन फार्मा का लाभ मामूली घटकर 2,022 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। दवा कंपनी सन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज का अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दो प्रतिशत घटकर 2,022 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 2,061 करोड़ रुपये था। उसका समायोजित शुद्ध लाभ पिछले साल की समान अवधि से 14 प्रतिशत बढ़कर 2,345 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एलआईसी हाउसिंग का लाभ 43 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 43 प्रतिशत बढ़कर 1,324 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि एलआईसी की अनुषंगी आवास वित्त कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 925 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी की कुल आय पहली तिमाही में बढ़कर 6,747 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,291 करोड़ रुपये थी।

अंबुजा सीमेंट ने 5,000 करोड़ में किया सांघी इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण

▶▶| अहमदाबाद

अदाणी की सीमेंट और बिल्डिंग मटेरियल कंपनी और विविधीकृत अदाणी समूह का हिस्सा, अंबुजा सीमेंट लिमिटेड ने गुरुवार को 5,000 करोड़ रुपए के मूल्य पर सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अधिग्रहण की घोषणा की है। एसीएल अपने मौजूदा प्रमोटर ग्रुप समूह, रवि सांघी और फैमिली से एसआईएल के 56.74 फीसदी शेयर हासिल करेगा। इस अधिग्रहण को पूरी तरह आंतरिक स्रोतों से वित्त पोषित किया जाएगा।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, 'यह ऐतिहासिक अधिग्रहण अंबुजा सीमेंट्स के तेजी से विकास के रास्ते में एक महत्वपूर्ण कदम है। एसआईएल के साथ हाथ मिलाकर अंबुजा अपनी बाजार उपस्थिति बढ़ाने, अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को मजबूत करने और कंस्ट्रक्शन मैटेरियल्स सेक्टर में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार है।'

अधिग्रहण के बाद अंबुजा सीमेंट की एसआईएल में हिस्सेदारी 56.74 फीसदी होगी

समूह की कुल क्षमता 2025 तक 101 एमटीपीए होगी

इसके अतिरिक्त इसमें 130 मेगावाट का कैप्टिव पावर प्लांट और 13 मेगावाट का वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम है। यह यूनिट सांघीपुरम में एक कैप्टिव जैटी से भी जुड़ी हुई है। एसआईएल के अधिग्रहण से एसीएल को अपने मार्केट में अग्रणी की भूमिका को मजबूत करने और अपनी सीमेंट क्षमता को मौजूदा 67.5 एमटीपीए से बढ़ाकर 73.6 एमटीपीए करने में मदद मिलेगी। जबकि 14 एमटीपीए के चल रहे पूंजीगत व्यय और वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही तक दहेज और अमेथा में 5.5 एमटीपीए क्षमता के चालू होने के साथ ही अदाणी समूह की कुल क्षमता 2025 तक 101 एमटीपीए हो जाएगी।

■ अधिग्रहण के लिए पूरी तरह से आंतरिक स्त्रोतों से वित्त पोषित किया जाएगा

सीमेंट का परिवहन समुद्री मार्ग से होगा

एसआईएल के पास गुजरात के नवलखी पोर्ट और महाराष्ट्र के धरमतर पोर्ट पर एक थोक सीमेंट टर्मिनल भी है। ज्यादातर सीमेंट का परिवहन समुद्री मार्ग से किया जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और लागत-प्रतिस्पर्धी है। एसआईएल के पास 850 डीलरों का नेटवर्क है, जो गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और केरल मार्केट में मौजूद हैं।

सबसे बड़ी सिंगल लोकेशन यूनिट : गुजरात के कच्छ जिले के सांघीपुरम में एसआईएल की इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, क्षमता के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी सिंगल-लोकेशन सीमेंट और क्लिंकर यूनिट है। वहीं 2,700 हेक्टेयर भूमि के साथ, इंटीग्रेटेड यूनिट में 6.6 एमटीपीए की क्लिंकर उत्पादन क्षमता वाली दो भट्टियां और 6.1 एमटीपीए की क्षमता वाली एक सीमेंट पीसने की यूनिट है।

लक्ष्य सबसे कम लागत वाला उत्पादन बनाना

इस अधिग्रहण के साथ, अदाणी समूह 2028 तक 140 एमटीपीए सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग क्षमता के अपने लक्ष्य को समय से पहले हासिल करने की राह पर है। एसआईएल के एक अरब टन के चूना पत्थर भंडार के साथ, एसीएल अगले दो वर्षों में सांघीपुरम में सीमेंट क्षमता को 15 एमटीपीए तक बढ़ा देगा। एसीएल बड़े जहाजों को संभालने के लिए सांघीपुरम में कैप्टिव पोर्ट के विस्तार में भी निवेश करेगा। हमारा लक्ष्य एसआईएल को देश में क्लिंकर का सबसे कम लागत वाला उत्पादक बनाना है।

वस्तुओं के आयात पर अंकुश तत्काल प्रभाव से लागू

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने बड़ा फैसला, देश में ही बनेंगे लैपटॉप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर, अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर (यूएसएफएफ) कंप्यूटर और सर्वर के आयात पर सुरक्षा कारणों से और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने की जरूरत को देखते हुए 'अंकुश' लगा दिया है। इससे चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से इन वस्तुओं का आयात घटेगा।

आयात अंकुश तत्काल प्रभाव से लागू है। किसी उत्पाद के आयात को अंकुश की श्रेणी में डालने का मतलब है कि उनके आयात के लिए लाइसेंस या सरकार की अनुमति अनिवार्य होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन अंकुश को लगाने के पीछे वैसे तो कई कारण हैं लेकिन प्रमुख कारण 'हमारे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना' है।

अब आयात के लिए लाइसेंस या अनुमति अनिवार्य होगी

देश में इंटरनेट की पैठ बढ़ी

अधिकारी ने कहा कि देश में इंटरनेट की पैठ अब ज्यादा व्यापक रूप से बनती जा रही है और इसे देखते हुए भारतीय नागरिकों को ऐसे परिवेश की जरूरत है, जहां उनका डेटा ऐसी मशीनों या उपकरणों के समक्ष न पहुंचे, जिनसे उन्हें सुरक्षा संबंधी जोखिम हों।

20 वस्तुओं तक आयात लाइसेंस की छूट

अधिकारी ने कहा, 'कुछ उपकरणों में सुरक्षा संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं और इनसे संवेदनशील और व्यक्तिगत जानकारी जोखिम में पड़ सकती है। हमने ऐसी कुछ वस्तुओं पर कार्रवाई की है।' विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने बृहस्पतिवार को जारी अधिसूचना में कहा कि शोध एवं विकास, परीक्षण, बेंचमार्किंग, मूल्यांकन, मरम्मत तथा उत्पाद विकास के उद्देश्य से प्रति खेप अब 20 वस्तुओं तक आयात लाइसेंस की छूट रहेगी।

सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

अधिसूचना में कहा गया, 'लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर और सर्वर के आयात को तत्काल प्रभाव से 'अंकुश' की श्रेणी में डाल दिया गया है।' अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह कदम विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के अनुपालन के तहत उठाया गया है।

2022-23 में 5.33 अरब डॉलर का आयात

भारतीय बाजार में बिकने वाले प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड में एचसीएल, सैमसंग, डेल, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स, एसर, एप्पल, लेनोवो और एचपी शामिल हैं। भारत ने 2022-23 में लैपटॉप सहित 5.33 अरब डॉलर मूल्य के पर्सनल कंप्यूटर का आयात किया है। 2021-22 में यह आंकड़ा 7.37 अरब डॉलर रहा था।

घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत अपनी दैनिक जरूरतों तथा औद्योगिक उत्पादों मसलन मोबाइल फोन, लैपटॉप, कलपुर्जे, सौर सेल मॉड्यूल और आईसी के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

65 फीसदी आयात चीन से

शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का चीन से 65 प्रतिशत आयात सिर्फ तीन उत्पाद समूहों... इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और जैविक रसायन तक सीमित है।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि 13 साल के उच्चस्तर पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 13 साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई है। एक मासिक सर्वेक्षण में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि मांग में उल्लेखनीय सुधार और अंतरराष्ट्रीय बिक्री बढ़ने से जुलाई में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी आई है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून के 58.5 से बढ़कर जुलाई में 62.3 पर पहुंच गया। इससे पता चलता है कि उत्पादन में जून, 2010 के बाद सबसे तेज वृद्धि हुई है।

सेवा पीएमआई सूचकांक लगातार 24वें महीने 50 से ऊपर बना हुआ है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, सेवा क्षेत्र की जुझारू क्षमता भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। जुलाई के पीएमआई आंकड़ों से पता चलता है कि दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान काफी उल्लेखनीय रहेगा। सर्वे में शामिल सदस्यों का कहना है कि इस तेजी में मुख्य योगदान मांग में बढ़ोतरी तथा नए ऑर्डर हैं। भारतीय सेवाओं की मांग जुलाई में बढ़कर 13 साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई। सर्वे में शामिल 29 प्रतिशत भागीदारों ने कहा कि उन्हें इस दौरान अधिक नया कारोबार हासिल हुआ है।

■ अंतरराष्ट्रीय बिक्री में जुलाई से आया उछाल

■ सूचकांक जून के 58 .5 से बढ़कर जुलाई में 62 .3 पर पहुंचा

श्रम और परिवहन की लागत बढ़ी

मुद्रास्फीति के मोर्चे पर बात की जाए, तो निगरानी वाली कंपनियों की खाद्य, श्रम और परिवहन की लागत बढ़ी है। हालांकि, लागत दबाव के बावजूद कंपनियों ने शुल्क में कम वृद्धि की है क्योंकि वे अपनी मूल्य रणनीति को लेकर सतर्क हैं।

जियो ने सभी सर्किल में लगाया 5जी नेटवर्क

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने सभी सर्किल में 5जी नेटवर्क स्थापित करने की सूचना सरकार को देते हुए कहा है कि वह निर्धारित मानदंडों के अनुरूप इसके परीक्षण के लिए तैयार है। सूत्रों के मुताबिक, रिलायंस जियो ने दूरसंचार विभाग को भेजे एक पत्र में देश के सभी दूरसंचार सर्किल में 5जी सेवाओं के लिए नेटवर्क स्थापित करने की जानकारी दी है। इनमें से 10 प्रतिशत स्थानों को 5जी सेवाओं के परीक्षण के लिए चुना जाएगा। सूत्रों ने कहा कि परीक्षण में निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाने पर रिलायंस जियो को 5जी सेवाओं की शुरुआत के लिए तैयार होने का प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। इस बीच, जियो को गुजरात सर्किल में 26 गीगाहर्ट्ज और 3,300 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड पर 5जी सेवाओं के परीक्षण में सफल घोषित किया गया है। इसकी सूचना दूरसंचार विभाग के गुजरात सर्किल ने ट्विटर पर दी है।

■ सरकार को परीक्षण के तैयारी की सूचना दी

पांचवीं पीढ़ी की दूरसंचार सेवाएं

देश में 5जी सेवाओं की शुरुआत अक्टूबर, 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। रिलायंस जियो समेत सभी दूरसंचार कंपनियां 5जी सेवाओं का नेटवर्क स्थापित करने में जुटी हुई हैं। पांचवीं पीढ़ी की दूरसंचार सेवाएं अत्यधिक तीव्र गति से वीडियो को डाउनलोड करने और भीड़भाड़ वाले इलाके में भी लाखों फोन को समर्थन देने में सक्षम होंगी।

चांदी में 1700 रुपए की बड़ी गिरावट

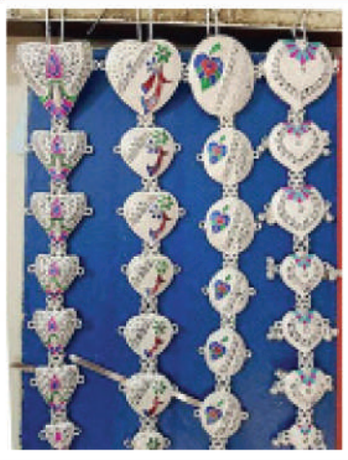

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं के दाम में गिरावट के बीच गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोना 150 रुपये टूटकर 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,700 रुपए लुढ़ककर 75,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,935 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी नुकसान के साथ 23.55 डॉलर प्रति औंस रही। सरकारी बांड से प्राप्त बढ़ने के कारण कॉमेक्स में सोना तीन सप्ताह के निचले स्तर पर चला गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि अमेरिकी 10-वर्षीय बांड पर आय गुरुवार को नवंबर के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

अदाणी एंटरप्राइजेज के लाभ में 44 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली। अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 44.41 प्रतिशत वृद्धि के साथ 676.93 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

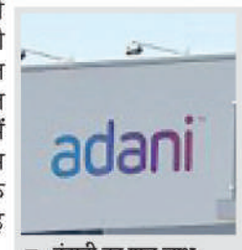

■ कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 677 करोड़ रुपए

कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि खर्चों में कमी आने से उसके लाभ में बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 468.74 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, आलोच्य अवधि में कंपनी की कुल आय घटकर 25,809.94 करोड़ रुपये पर आ गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 41,066.43 करोड़ रुपये थी। इसके साथ अदाणी एंटरप्राइजेज के खर्चों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बीती तिमाही में कंपनी का खर्च घटकर 24,731.42 करोड़ रुपये पर आ गया जो साल भर पहले की समान अवधि में 40,433.96 करोड़ रुपये रहा था। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अलग से जारी एक बयान में कहा कि यह नतीजा समूह की मजबूत परिचालन एवं वित्तीय उपलब्धियों को परिलक्षित करता है।

अडाणी पावर का लाभ 83 प्रतिशत बढ़ा

अदाणी समूह की बिजली उत्पादक कंपनी अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एकीकृत शुद्ध लाभ 83.3 प्रतिशत बढ़कर 8,759.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 4,779.86 करोड़ रुपये रहा था।

सेंसेक्स 542 अंक टूटा निफ्टी भी नुकसान में

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 542 अंक टूट गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 19,400 अंक के नीचे आ गया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने से बाजार में गिरावट बनी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 542.10 अंक गिरावट के साथ चार सप्ताह के निचले स्तर 65,240.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 819.7 अंक तक नीचे चला गया था। निफ्टी भी 144.90 अंक की गिरावट के साथ 19,381.65 अंक पर बंद हुआ। एक समय निफ्टी 19,300 अंक के नीचे आ गया था। डॉलर सूचकांक के मजबूत होने के साथ वैश्विक बाजार अब भी अमेरिकी की साख कम किए जाने से उबरे नहीं हैं।'

मैकडॉनल्ड्स ने मुंबई में खोला पहला 'ड्राइव थ्रू रेस्तरां'

■ सामान लेने गाड़ी से उतरने की जरूरत नहीं होती

मुंबई। खाद्य श्रृंखला मैकडॉनल्ड्स ने शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बृहस्पतिवार को एक नया आउटलेट खोला। कंपनी का दावा है कि हवाई अड्डे पर यह देश का पहला 'ड्राइव थ्रू रेस्तरां' हैं। 'ड्राइव थ्रू रेस्तरां' में एक खिड़की के माध्यम से सेवाएं दी जाती हैं। लोगों को सामान लेने के लिए गाड़ी से उतरने की जरूरत नहीं होती। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, मैकडॉनल्ड्स इंडिया (पश्चिम व दक्षिण) द्वारा खोला गया आउटलेट शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। यह चौबीसों घंटे खुले रहने वाला मैकडॉनल्ड्स का शहर में पहला रेस्तरां होगा। हवाई अड्डे पर स्थित यह रेस्तरां 3,000 वर्गफुट में फैला है। इसमें एक मैककैफे, एक भोजनालय क्षेत्र और एक टेकअवे काउंटर है।

महिंद्रा इलेक्ट्रिक टेमासेक में करेगी 1200 करोड़ निवेश

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा की चार पहिया यात्री इलेक्ट्रिक वाहन इकाई महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड में सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक 1,200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड में 1,200 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए टेमासेक के साथ एक पक्का समझौता किया है। इस लिहाज से इलेक्ट्रिक वाहन इकाई का मूल्यांकन 80,580 करोड़ रुपये बैठता है।

बिजनेस साइट

सर्वाधिक एंजियोप्लास्टी के मामले में छत्तीसगढ़ में अव्वल रहा एसएमसी हॉस्पिटल

रायपुर। शंकर नगर स्थित एसएमसी हार्ट इंस्टीट्यूट एवं आईवीएफ रिसर्च सेंटर में नया रिकॉर्ड बना है। एसएमसी अस्पताल रायपुर एवं एसएमसी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल ने मिलकर जुलाई माह में 130 सफल एंजियोप्लास्टी किया है।

अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर एवं मध्यभारत के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सतीश सूर्यवंशी और वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एसएस मोहंती ने अस्पताल के इस उपलब्धि का श्रेय समस्त मेडिकल, नर्सिंग एवं सहयोगी कर्मचारियों को दिया है। डॉ सतीश सूर्यवंशी ने छत्तीसगढ़ के सभी चिकित्सको एवं लोगों का उनके विश्वास के लिए आभार प्रकट किया। एसएमसी हॉस्पिटल में विभिन्न रोगों का जांच के साथ अनुभवी विशेषज्ञों की टीम द्वारा रोगियों का उपचार किया जाता है। यहां हृदय रोग, महिला रोग विशेषज्ञ, आईवीएफ सुविधा, अस्थि रोग, उदर रोग, शल्य क्रिया आदि के विशेषज्ञ चिकित्स्कों की मौजूदगी में विश्वस्तरीय मशीन व जांच तकनीक से करने के साथ ही गंभीर रोगो का इलाज भी किया जाता है।

चीन में तेजी का दौर हुआ अब खत्म

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की रेटिंग की अपग्रेड, किया ओवरवेट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनियाभर के बड़े निवेशकों के लिए भारत सबसे बड़ा डेस्टीनेशन के तौर पर उभरा है और अब वो ड्रैगन यानि चीन को भी आने वाले दिनों में पीछे छोड़ने की क्षमता रखता है। ग्लोबल इक्वेटमेंट बैंकिंग फर्म मार्गन स्टेनली ने अपने इमर्जिंग मार्केट की सूची में भारत को अपग्रेड किया है।

मार्गन स्टेनली ने चीन को डाउनग्रेड कर दिया है। फर्म ने भारत की रेटिंग को अपग्रेड करते हुए ओवरवेट कर दिया है। भारत सीधे पांच स्थान ऊपर छलांग लगाते हुए हुए इमर्जिंग मार्केट की सूची में पहले स्थान पर आ चुका है। लंबी अवधि की तेजी की शुरुआत मॉर्गन स्टेनली के मुताबिक पॉजिटिव डेमोग्राफी ट्रेंड के साथ भारत की प्रति व्यक्ति आय फिलहाल केवल 2500 डॉलर है जबकि चीन की 12,700 डॉलर है। मॉर्गन स्टेनली के एनालिस्ट ने कहा कि भारत लंबी अवधि की तेजी की शुरुआत के कगार पर खड़ा है जबकि चीन में ये तेजी अब खत्म होने जा रही है।

मल्टी-ईयर बुल मार्केट में भारत कर रहा प्रवेश मॉर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों का मानना है कि चीन का जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 3.9 फीसदी रहने का अनुमान है वहीं भारत का जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी रह सकता है। भारत के मल्टी-ईयर बुल मार्केट में प्रवेश करने की तीन प्रमुख वजहें हैं जिसमें मैक्रो स्टैबिलिटी, शानदार ग्रोथ, जोखिम वाली पूंजी का विश्वसीय घरेलू सोर्स शामिल है।

■ भारत में मल्टी ईयर बुल मार्केट की शुरूआत हुई

कोविड के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी

मॉर्गन स्टेनली के एनालिस्ट के मुताबिक भारत हाउसहोल्ड डेट जीडीपी का 19 फीसदी है जबकि चीन का 48 फीसदी है। साथ ही केवल 2 फीसदी भारतीय परिवार के पास ही लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी उपलब्ध है। कोविड की बंदिशों के हटने के बाद भारत में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस पीएमआई में तेजी देखने को मिली है जबकि चीन में तेजी के साथ गिरावट देखने को मिली है। भारत में रियल एस्टेट ट्रांजेक्शन में तेज उछाल देखने को मिली है।

200वें मैच में हारी टीम इंडिया

वेस्ट इंडीज ने पलटा हारा हुआ मैच, 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में अंतिम गेंद पर हारा भारत

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय टीम की हार के साथ शुरुआत हुई। सीरीज का पहला मैच पोर्ट ऑफ स्पेन में खेला गया, जो काफी रोमांचक रहा। मैच आखिरी बॉल तक गया, जिसमें मेजबान वेस्टइंडीज ने 4 रनों से जीत दर्ज की। भारतीय टीम का यह 200वां टी20 मुकाबला था, लेकिन इसे जीत के साथ यादगार नहीं बना सके।

बता दें कि मैच जीतने के लिए भारतीय टीम के सामने 150 रनों का टारगेट था, जिसके जवाब में टीम ने 9 विकेट गंवाकर 145 रन ही बना सकी। भारतीय टीम के लिए डेब्यू मैच खेल रहे तिलक वर्मा ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन, शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव सब फेल रहे।

200 मैच खेलने वाली दूसरी टीम भारत

भारतीय टीम का यह टी20 इंटरनेशनल में 200वां मैच रहा। वो यह उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी टीम बन गई है। इससे पहले सिर्फपाकिस्तान ही 200 या उससे ज्यादा मैच खेल सकी है। पाकिस्तान ने अब तक (3 अगस्त) 223 टी20 मैच खेले हैं।

तिलक के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चला

सूर्या ने मैच में 21 रन बनाए, जबकि उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 का आंकड़ा तक नहीं छू सका। पंड्या ने 19, संजू ने 12, गिल ने 3 और ईशान किशन ने सिर्फ 6 रन बनाए। आखिर में 12 गेंदों पर 21 रन चाहिए थे, तब अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह ने कुछ अच्छे शॉट खेलकर उम्मीद जगाई, पर जीत तक नहीं पहुंचा सके। एक बात तो माननी पड़ेगी कि मैच से पहले जिस वेस्टइंडीज टीम की गेंदबाजी को कमजोर आंका जा रहा था, उसी ने आखिर में पूरा गेम पलट दिया। वेस्टइंडीज के लिए जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड और ओबेड मैकॉय ने 2-2 विकेट लिए। तीनों ने कसी हुई गेंदबाजी की।

पॉवेल ने विंडीज को संभाला

मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। इसके बाद विंडीज ने 6 विकेट गंवाकर 149 रन बनाए। एक समय कैरेबियन टीम ने 14.1 ओवर में 96 रनों पर 4 विकेट गंवा दिए थे, तब टीम को उनके कप्तान रोवमैन पॉवेल ने संभाला। पॉवेल ने ताबड़तोड़ अंदाज में बैटिंग की और 32 गेंदों पर 48 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि निकोलस पूरन ने 34 गेंदों पर 41 रन बनाए। भारतीय टीम के लिए अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल ने 2-2 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और कुलदीप यादव को 1-1 सफलता मिली।

स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज़	रन	गेंद	4/6
ब्रैंडन किंग पगबाधा बो.चहल	28	19	4/1
काइल मेयर्स पगबाधा बो.चहल	1	7	0/0
चार्ल्स कै.तिलक बो.कुलदीप	3	6	0/0
पूरन कै.तिलक बो.हार्दिक	41	34	2/2
पॉवेल कै.सूर्यकुमार बो.अर्शदीप	48	32	3/3
हेटमायर कै.अक्षर बो.अर्शदीप	10	12	1/0
शेफ़र्ड नाबाद	4	6	0/0
होल्डर नाबाद	6	5	0/0

अतिरिक्त: 8,

कुल: 20 ओवर में 149/6, **विकेट पतन:** 1-29, 2-30, 3-58, 4-96, 5-134, 6-138. **गेंदबाज़ी:** अर्शदीप सिंह 4-0-31-2, मुकेश कुमार 3-0-24-0, अक्षर पटेल 2-0-22-0, युज़वेंद्र चहल 3-0-24-2, हार्दिक पंड्या 4-0-27-1, कुलदीप यादव 4-0-20-1

भारत	रन	गेंद	4/6
इशान किशन कै.पॉवेल बो.मकॉए	6	9	1/0
गिल स्टंप पूरन बो.हुसैन	3	9	0/0
यादव कै.हेटमायर बो.होल्डर	21	21	2/1
तिलक वर्मा कै.हेटमायर बो.शेफ़र्ड	39	22	2/3
पंड्या बो.होल्डर	19	19	3/0
सैमसन रन आउट	12	12	0/1
पटेल कै.हेटमायर बो.मकॉए	13	11	0/1
यादव बो.शेफ़र्ड	3	9	0/0
अर्शदीप रनआउट	12	7	2/0
युज़वेंद्र चहल नाबाद	1	1	0/0
मुकेश कुमार नाबाद	1	1	0/0

अतिरिक्त: 15,

कुल: 20 ओवर में 145/9, **विकेट पतन:** 1-5, 2-28, 3-67, 4-77, 5-113, 6-113, 7-129, 8-140, 9-144, **गेंदबाज़ी:** अकील हुसैन 4-0-17-1, ओबेद मकॉए 4-0-28-2, अल्ज़ारी जोसेफ़ 4-0-39-0, जेसन होल्डर 4-1-19-2, रोमारियो शेफ़र्ड 4-0-33-2.

कोलंबिया पर उलटफेर कर सुपर-16 में मोरक्को

फीफा महिला विश्व कप-2023

पर्थ, एजेंसी। विश्व रैंकिंग में 72वें नंबर की मोरक्को ने फीफा महिला विश्व कप-2023 में बड़े उलटफेर को अंजाम देते हुए गुरुवार को कोलंबिया को 1-0 से मात दी। मोरक्को ने निब स्टेडियम पर खेले गए ग्रुप-एच मुकाबले में अनीसा लहमारी (45+4वां मिनट) के गोल की बदौलत जीत हासिल करते हुए सुपर-16 में प्रवेश किया।

इस हार के बावजूद कोलंबिया ग्रुप-एच की शीर्ष टीम के रूप में प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई, हालांकि मोरक्को ने विश्व नंबर दो जर्मनी को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। जर्मनी को सुपर-16 में पहुंचने के लिए दिन के एक अन्य मुकाबले में दक्षिण कोरिया को हराना था। एशियाई टीम ने जर्मनी को 1-1 के ड्रा पर रोक लिया। चो सोयून ने छठे मिनट में गोल जमाकर दक्षिण कोरिया को शुरुआती बढ़त दिला दी। एलेक्जेंड्रा पॉप ने 42वें मिनट में गोल जमाया, लेकिन यह जर्मनी को ड्रा से आगे नहीं ले जा सका। दूसरी ओर, मोरक्को ने कोलंबिया के विरुद्ध पहले क्वार्टर में ज्यादा से ज्यादा समय तक गेंद को अपने कब्जे में रखा। शुरुआती मौके गंवाने के कारण मोरक्को पहले हाफ में गोलरहित रह सकती थी, लेकिन अनीसा लहमारी ने अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में लहमारी ने गेंद को नेट में पहुंचाकर अपनी टीम को निर्णायक बढ़त दिला दी। कोलंबिया इसका जवाबी गोल नहीं ढूंढ सकी और मोरक्को ने मुकाबला जीत लिया। मोरक्को सुपर-16 में पहुंचने वाली पहली अरब टीम है, जहां उसका सामना विश्व की नंबर पांच टीम फ्रांस से होगा। कोलंबियाई टीम अगले चरण में जमैका से भिड़ेगी।

दक्षिण क्षेत्र ने 9वीं बार जीती देवधर ट्रॉफी

फाइनल में पूर्व क्षेत्र को 45 रन से हराया, रोहन कुन्नूमल (107) का शतकीय प्रहार

पुडुचेरी, एजेंसी। दक्षिण क्षेत्र ने रोहन कुन्नूमल (107) के शतक की बदौलत गुरुवार को फाइनल में पूर्व क्षेत्र को 45 रन से हराकर नौंवी बार देवधर ट्रॉफी का खिताब जीत लिया। दक्षिण क्षेत्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट के नुकसान पर 328 रन बनाए। जवाब में पूर्व क्षेत्र की टीम 46.1 ओवर में 283 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण क्षेत्र ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और उसकी सलामी जोड़ी पूर्व क्षेत्र पर हावी रही। रोहन कुन्नुमल ने मयंक अग्रवाल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 181 रन की साझेदारी करते हुए शतक जड़ा। उन्होंने आउट होने से पहले 75 गेंद पर 11 चौकों और चार छक्कों के साथ 107 रन बनाए। अग्रवाल ने 83 गेंद पर 63 रन बनाए, जबकि चौथे नंबर पर उतरे नारायण जगदीसन ने 60 गेंद पर 54 रन की पारी खेली। इन तीनों बल्लेबाजों के योगदान महत्वपूर्ण साबित हुए और निचले क्रम की असफलता के बावजूद दक्षिण क्षेत्र 328 का स्कोर खड़ा करने में कामयाब रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरे पूर्व क्षेत्र ने 14 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए। सुदीप घरामी (63 गेंद, 41 रन) और कप्तान सौरभ तिवारी (33 गेंद, 28 रन) ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन दोनों ही क्रीज पर ज्यादा समय नहीं बिता सके। पूर्व क्षेत्र के पांच विकेट 115 रन पर गिरने के बाद रियान पराग और कुमार कुशाग्र ने पारी को संभाला। पराग ने 65 गेंद पर आठ चौके और पांच छक्कों की सहायता से 95 रन बनाए, जबकि कुशाग्र ने 58 गेंद पर छह चौके और तीन छक्के लगाकर 68 रन की पारी खेली। पराग-कुशाग्र के बीच हुई 105 रन की साझेदारी से पूर्व क्षेत्र की कुछ उम्मीदें जगीं, लेकिन वाशिंगटन सुंदर ने दोनों को आउट कर इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। लगातार बढ़ते आवश्यक रनरेट के आगे पूर्व क्षेत्र की टीम 47वें ओवर में 283 रन पर ऑलआउट हो गई। सुंदर ने दक्षिण क्षेत्र के लिए सर्वाधिक तीन विकेट लिए, जबकि विधवत कवेरप्पा, वसुकी कौशिक और विजयकुमार विशाक को दो-दो सफलताएं मिलीं।

क्लिफोर्ड मिरांडा बने भारतीय अंडर-23 टीम के कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय फुटबॉलर क्लिफोर्ड मिरांडा को अंडर-23 पुरुष टीम का कोच नियुक्त किया गया है।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एआईएफएफ ने गुरुवार को आईएम विजयन की अध्यक्षता में हुई तकनीकी समिति की बैठक के बाद यह निर्णय लिया। इस बैठक में पिंकी बोमपाल मगर, हरजिंदर सिंह, अरुण मल्होत्रा, क्लाइमैक्स लॉरेंस, यूजेनिसन लिंगडोह और एआईएफएफ के तकनीकी निदेशक सैयद शब्बीर पाशा उपस्थित रहे। इस समिति ने मुख्य कोच के पद के लिए क्लिफोर्ड मिरांडा की सिफारिश करने के अलावा नलप्पन मोहनराज को सहायक कोच, रघुवीर खानवलकर को गोलकीपिंग कोच और गैविन एलियास अराउजो को अंडर-23 पुरुष टीम का फिटनेस कोच बनाने की सिफारिश की। मिरांडा 2005 से 2014 के बीच भारतीय टीम के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने अपने नौ साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में दो सैफ चैंपियनशिप, दो नेहरू कप और एक एएफसी चैलेंज कप जीता। एआईएफएफ महासचिव डॉ. शाजी प्रभाकरन ने मिरांडा की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, क्लिफोर्ड को भारतीय पुरुष अंडर-23 राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में चुने जाने पर बधाई। क्लिफोर्ड ने ओडिशा एफसी के लिए सुपर कप जीतने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया और मुझे यकीन है कि हम भारतीय टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर सकते हैं।

भारत ने चीन को 7-2 से पीटा

एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी हॉकी: हरमनप्रीत ने दागे दो गोल

चेन्नई, एजेंसी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और कुमार वरुण के दो-दो गोलों की बदौलत भारत ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में गुरुवार को चीन को 7-2 से रौंदकर अपने अभियान का विजयी आगाज किया।

मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हरमनप्रीत ने छठे और नौंवे मिनट में गोल किया, जबकि वरुण ने 19वें और 30वें मिनट में गोल दागे। इसके अलावा सुखजीत सिंह (15वां मिनट), आकाशदीप सिंह (16वां मिनट) और मनदीप सिंह (40वां मिनट) ने भी एक-एक गोल किया। चीन के गोल वेनहुई ई (18वां मिनट) और जीशेंग गाओ (25वां मिनट) ने किए। भारतीय टीम ने 15 साल बाद चेन्नई में अंतरराष्ट्रीय हॉकी के आगमन को एक यादगार क्षण बनाया। एम्मोर के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में भारतीय टीम की वापसी को अनुभव करने आए दर्शकों को पहले क्वार्टर से ही मेजबानों का वर्चस्व देखने को मिला। भारत ने शुरुआती 15 मिनटों में कुल पांच पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए। इनमें से दो को हरमनप्रीत ने और एक को सुखजीत ने गोल में तब्दील किया। इस विशाल जीत के बाद भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को जापान से होगा। चीन इस करारी हार से उभरते हुए मलेशिया का सामना करेगी।

अशरी ने दिलाई मलेशिया को जीत

चेन्नई। मलेशिया ने फिरहान अशरी के दो गोलों के दम पर एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के अपने पहले मुकाबले में गुरुवार को पाकिस्तान को 3-1 से मात दी। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में अशरी ने 28वें और 29वें मिनट में गोल किए। मलेशिया का तीसरा गोल शेलो सिल्वेरियस (44वां मिनट) ने किया। अब्दुल रहमान ने 55वें मिनट में पाकिस्तान का एकमात्र गोल किया, लेकिन यह सिर्फमलेशिया की जीत के अंतर को कम कर सका। पाकिस्तान का अगला मुकाबला शुक्रवार को कोरिया से होगा, जबकि मलेशियाई टीम चीन के विरुद्ध मैदान पर उतरेगी।

गत चैंपियन कोरिया का भी विजयी आगाज

चेन्नई। गत चैंपियन कोरिया ने अपने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी अभियान की शुरुआत जापान को 2-1 से हराकर की। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में कीलोन पार्क (27वां मिनट) और जुंगहू किम (35वां मिनट) ने कोरिया के गोल किए। रयोमा ऊका ने छठे मिनट में पहला गोल जमाकर जापान को शुरुआती बढ़त दिलाई थी, लेकिन टीम इसके बाद पिछड़ती चली गई।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो में 80 स्वर्ण होंगे दांव पर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पांच अगस्त से शुरू होने वाली 14वीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में 16 राज्यों के खिलाड़ी 80 स्वर्ण पदकों के लिए जोर आजमाइश करेंगे। गुडविल ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में होने वाली दो दिवसीय चैंपियनशिप केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बहुउद्देश्यीय हाल में खेली जाएगी। एसोसिएशन के सचिव जावेद खान ने बताया कि चैंपियनशिप में 80 स्वर्ण, 80 रजत व 160 कांस्य पदकों के लिए मुकाबला होगा। चैंपियनशिप में मेजबान उत्तर प्रदेश, गत विजेजा उत्तराखंड के अलावा मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, मेघालय, हरियाणा , दिल्ली, बिहार, आंध्र प्रदेश , तेलंगाना, जम्मू कश्मीर ,तमिलनाडु, राजस्थान की टीमें भाग लेंगी। चैंपियनशिप सब जूनियर, कैडेट, जूनियर, सीनियर आयु वर्ग में महिला व पुरुष के सभी भार वर्गों में होगी तथा इस दौरान क्योरगी व पूमसे दोनो के मुकाबले होंगे। चैंपियनशिप का उद्घाटन प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक करेंगे। इससे पहले 13वीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप देहरादून (उत्तराखंड) में गत तीन से चार दिसंबर, 2022 तक हुई थी।

क्वार्टरफाइनल में भिड़ेंगे किदांबी-प्रियांशु

ऑस्ट्रेलिया ओपन: प्रणय और सिंधु ने भी अपने-अपने मुकाबले जीते

सिडनी, एजेंसी। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत और युवा प्रतिभा प्रियांशु राजावत ने ऑस्ट्रेलिया ओपन 2023 में गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। प्रियांशु ने 59 मिनट चले पुरुष प्री-क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के वांग जू वेई को 21-8, 13-21, 21-19 से मात दी। किदांबी ने ताइपे के सू ली यांग को 21-10, 21-17 से हराने में सिर्फ 39 मिनट का समय लिया। क्वार्टरफाइनल में किदांबी और प्रियांशु आमने-सामने होंगे।

इस बीच, एचएस प्रणय और पीवी सिंधु ने भी अपने-अपने दूसरे चरण के मुकाबले जीते, जबकि मिथुन मंजूनाथ और किरण जॉर्ज हारकर सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। खराब फॉर्म से जूझ रहीं सिंधु ने महिला एकल के प्री-क्वार्टरफाइनल में हमवतन आकर्षि कश्यप को 21-14, 21-10 से हराया। प्रणय ने चीनी ताइपे के ची यू जेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट में 19-21, 21-19, 21-13 से जीत दर्ज की। पहले दौर में पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को मात देने वाले मंजूनाथ मलेशिया के ली ज़ी जिया से 21-13, 12-21, 19-21 से हार गए। किरण को इंडोनेशिया के एंथनी गिनटिंग के हाथों 15-21, 18-21 की सीधे सेटों की हार का स्वाद चखना पड़ा। महिला युगल प्रतियोगिता में, त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी जापान की मायु मात्सुमोतो और वकाना नागाहारा के हाथों 10-21, 20-22 से हारी।

शर्मा ने लगाई डब्ल्यूपीएफजी में स्वर्णिम हैट्रिक

विश्व पुलिस और फायर गेम्स

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एसएम शर्मा ने कनाडा के विनिपेग में आयोजित विश्व पुलिस और फायर खेलों (डब्ल्यूपीएफजी) की टेनिस प्रतियोगिता में दो स्वर्ण जीते हैं। शर्मा ने पुरुष एकल (60+) के सेमीफाइनल में हंगरी के जोसेफ जुहाज़ को 6-1, 6-1 से हराया। फाइनल में वे अपने हमवतन शास्त्री कृष्णमूर्ति से 3-0 से आगे चल रहे थे, जब कृष्णमूर्ति ने मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मुकाबले से हटने का फैसला लिया। पुरुष युगल फाइनल में शर्मा और श्रीनिवास रेड्डी की भारतीय जोड़ी ने रॉबर्ट शेफ़नर और विक्टर बियर्ड की अमेरिकी जोड़ी को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से हराया। यह डब्ल्यूपीएफजी आयोजन की एकल प्रतियोगिता में शर्मा का तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले उन्होंने चेंग्दू (2019) और रॉटरडैम (2022) में भी सोना हासिल किया था।

संन्यास सोशल मीडिया पर साझा किया संदेश, बोले- हमेशा इस खेल का और परमेश्वर का शुक्रगुज़ार रहूंगा..

मनोज तिवारी ने क्रिकेट को कहा अलविदा

कोलकाता, एजेंसी। भारत और पश्चिम बंगाल के अनुभवी बल्लेबाज मनोज तिवारी ने गुरुवार को क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। तिवारी ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में लिखा, क्रिकेट के खेल को अलविदा। इस खेल ने मुझे सब कुछ दिया है। वे सब जिसका मैंने सपना भी नहीं देखा था, उस समय से जब मेरे जीवन में कई तरह की कठिनाइयां थीं। हमेशा इस खेल का और परमेश्वर का शुक्रगुज़ार रहूंगा, जो हमेशा मेरे साथ रहे। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में जन्मे तिवारी ने रणजी ट्रॉफी के 2006-07 सीज़न में 99.50 की औसत से 796 रन बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। चोट के कारण उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतरने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा।

मनोज तिवारी ने 2008 में खेला था अंतिम वनडे

तिवारी ने तीन फरवरी 2008 को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध ब्रिसबेन वनडे में अंततः भारतीय जर्सी पहनी। मनोज ने भारत के लिए 12 एकदिवसीय मैचों में 287 रन बनाए, जहां उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 104 रन रहा। टी20 प्रारूप में वे सिर्फतीन बार ही भारत का प्रतिनिधित्व कर सके। पश्चिम बंगाल के पूर्व कप्तान तिवारी ने अपना प्रथम श्रेणी करियर 2004 में ईडन गार्डन में शुरू करने के बाद 2023 में कोलकाता के उसी मैदान पर समाप्त किया। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका आखिरी मैच सौराष्ट्र के विरुद्ध खेला गया रणजी ट्रॉफी फाइनल था जहां दूसरी पारी में अपनी टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाने के बावजूद उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

सभी कोचों को भी कहा धन्यवाद...

तिवारी ने कहा, मेरे बचपन से लेकर पिछले साल तक मेरे सभी कोचों को धन्यवाद, जिन्होंने मेरी क्रिकेट उपलब्धियों में भूमिका निभाई है। मनबेंद्र घोष, मेरे पिता समान कोच इस क्रिकेट यात्रा में स्तंभ की तरह रहे हैं। अगर वह नहीं होते तो मैं क्रिकेट जगत में कहीं भी नहीं पहुंच पाता। धन्यवाद सर और आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। तिवारी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2012 में खिताब जीतने के अलावा राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, दिल्ली डेयरडेविल्स और पंजाब किंग्स का भी प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कुल मिलाकर 183 टी20 मैचों में 3436 रन बनाए, जिसमें 15 अर्धशतक शामिल रहे।

डेंगू के डंक का असर त्रिपुरा से शुरू, युवक ने गंवाई जान

डेंगू से पहली मौत, पीड़ित को था तेज बुखार व दस्त

अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा में डेंगू से पहले मरीज की मौत से स्वास्थ्य विभाग की पेशानी पर बल पड़ गए हैं। एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने हालांकि दावा किया कि उनके पास इसकी कोई पुष्टि नहीं है, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने स्वीकार किया कि 65 वर्षीय सुभाष सरकार की मौत डेंगू से हुई है। सिपाहीजाला जिला में सोनामुरा के धनपुर नि. सरकार 27 जुलाई से तेज बुखार और दस्त से पीड़ित थे।

तुर्की में दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

अंकारा, (एजेंसी)। तुर्की में सीमा सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी प्रांत एडिरने में कथित तौर पर फेतुल्लाह आतंकवादी संगठन से संबंधित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। तुर्की सीमा सुरक्षा बलों ने इप्साला शहर के पास प्रथम-डिग्री सैन्य प्रतिबंधित क्षेत्र में दो संदिग्धों को उस समय हिरासत में ले लिया, जब वे अवैध रूप से यूनान भागने का प्रयास कर रहे थे। तुर्की अधिकारियों का मानना है कि दोनों संदिग्ध एफईटीओ से जुड़े हैं। तुर्की सरकार जुलाई 2016 में असफल तख्तापलट के प्रयास में अमेरिका निवासी तुर्की मौलवी फेतुल्ला गुलेन व नेटवर्क को दोषी ठहराती है।

मुलाकात

अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने नई दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी को अपने भाई आरके चक्रवर्ती की आत्मकथा गैलोपिंग डिकेड्स मुलाकात के दौरान भेंट की।

बेबी अरिहा की वतन वापसी को लेकर भारत सख्त, जर्मनी के राजदूत तलब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जर्मनी में फंसी गुजरात की बेबी अरिहा शाह के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। अरिहा नाम की बच्ची को जर्मनी के फोस्टर केयर में लगभग 20 महीने से रखा गया है। इस मामले में बच्ची की मां लगातार मोदी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रही है।

जर्मनी के फोस्टर केयर में लगभग 20 महीने से

इस मामले में सरकार ने इस हफ्ते जर्मनी के राजदूत को तलब किया था। भारतीय बच्ची अरिहा की रिहाई को लेकर भारत ने इस हफ्ते जर्मनी के राजदूत फिलीप एकरमैन को तलब किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची का कहना है कि अरिहा मामले को लेकर इस हफ्ते एकरमैन को तलब किया गया था। भारत का कहना है कि बच्चे के लिए धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक माहौल का होना बहुत महत्वपूर्ण है। पिछले साल दिसंबर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अरिहा मामले को लेकर जर्मनी के विदेश मंत्री एनालेना बायरबॉक के समक्ष चिंता जताई थी। परिजनों का आरोप है कि बच्ची को बर्लिन में 20 महीने से फोस्टर केयर सेंटर में रखा गया है।

कैमरून में बंदूकधारियों ने आठ मछुआरों की ली जान

याउंडे, (एजेंसी)। कैमरून के सुदूर उत्तर क्षेत्र में लेक चाड के एक द्वीप में अज्ञात बंदूकधारियों ने करीब आठ मछुआरों की गोली मारकर हत्या कर दी। स्थानीय निवासियों और सैन्य सूत्रों ने कहा कि इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी) के संदिग्ध सदस्य बुधवार तड़के हुए निंदनीय कृत्य के लिए जिम्मेदार हैं। आतंकवादी मछली पकड़ने की गतिविधि पर कर लगाने के लिए इलाके में आए है, लेकिन उन्हें मछुआरों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। हत्याओं पर दुख व्यक्त करते हुए क्षेत्र के सैन्य अधिकारी ने बताया कि सेना झील को सुरक्षित करने के और अधिक कर्मियों को तैनात करेगी।

ब्राजील में गोलीबारी से 10 की मौत, कई लोग घायल

रियो डी जनेरियो, (एजेंसी)। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में पुलिस कार्रवाई में करीब 10 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस के मुताबिक इलाके में दबदबा रखने वाले आपराधिक समूह के कई नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने बुधवार सुबह अभियान शुरू किया। पुलिस अधिकारी जब महानगर के उत्तरी भाग में पेन्हा फेवेला पहुंचे, तो उन पर गोलियों की बौछार कर दी गई। पुलिस ने कहा कि जवाब में जवानों ने भी गोलियां चलाईं और दोनों ओर से भीषण गोलीबारी हुई। इसमें कई राइफलें, गोला-बारूद, हथगोले और ड्रग्स जब्त किए गए।

दक्षिण पश्चिम पाकिस्तान में गोलीबारी, चार की मौत

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में दो समूहों के बीच गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि घटना प्रांतीय राजधानी क्वेटा में हुई जहां बुधवार रात दो समूहों के सदस्यों के बीच भूमि विवाद को बहस छिड़ गई जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे पर गोलियां चला दीं। पुलिस ने बताया कि दोनों समूह शहर के प्रभावशाली परिवारों से थे जो भूमि विवाद को लेकर आपस में भिड़ गए। गोलीबारी में घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगे की जांच के लिए पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है।

आज का इतिहास

- 1966: नीदरलैंड और इंग्लैंड के बीच समुद्री लड़ाई हुई।
- 1886: कोलंबिया ने संविधान को अंगीकार किया।
- 1870: ब्रिटिश रेडक्रॉस सोसाइटी की स्थापना हुई।
- 1914: जर्मनी के पहले विश्वयुद्ध में शामिल होने के बाद ब्रिटेन ने भी युद्ध में उतरने की घोषणा की।
- 1929: अभिनेता, गायक, निर्देशक किशोर कुमार का जन्म।
- 1935: गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 को ब्रिटिश राजशाही ने दी मंजूरी मिली।
- 1954: पाकिस्तान सरकार ने हाफिज जलंधरी द्वारा लिखे गीत को राष्ट्रगान के रूप में अपनाने पर सहमति दी।
- 1956: देश का पहला परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा शुरू हुआ।

अब हरियाणा के पानीपत में हिंसा, पांच पर एफआईआर

नूंह में अब तक सात ने गंवाई जान

मृतक के घर जुटे लोगों ने उत्पात मचाया, दुकान और गाड़ियों में की तोड़फोड़

नूंह, (एजेंसी)। पलवल में बुधवार रात को धार्मिक स्थल में हुई आगजनी के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। पलवल पुलिस ने अलग-अलग थानों में 265 लोगों के खिलाफ 5 एफआईआर दर्ज की हैं। हरियाणा के नूंह में हुए दंगों के बाद कई इलाकों में तनाव बना हुआ है। तनाव के बीच गुरुवार रात साढ़े 9 बजे पानीपत में कुछ शरारती तत्वों ने उपद्रव मचा दिया। यह घटना पानीपत के नूरवाला की धमीजा कॉलोनी में हुई। नूंह में जान गंवाने वाला पानीपत का युवक धमीजा कॉलोनी का ही रहने वाला था। गुरुवार रात करीब साढ़े 9 बजे धमीजा कॉलोनी में युवक के घर के पास 15 युवकों के झुंड ने एक विशेष समुदाय से जुड़े व्यक्ति के चिकन कॉर्नर पर एकाएक पथराव कर दिया। इसमें उसकी दुकान के शीशे टूट गए।

युवकों ने वहां खड़ी दो गाड़ियों पर भी पत्थर और डंडे बरसाए। इससे दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। मौके पर तनाव बढ़ता देखकर इलाके के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी।

पुलिस के पहुंचने से पहले उपद्रवी फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। उपद्रवी लोग धार्मिक नारे लगाते हुए निकले। नूंह में अभिषेक की हत्या के बाद से ही पानीपत में तनाव बना हुआ था। राज्य के 4 जिलों में हालात तनाव पूर्ण बने हुए हैं। चारों जिलों में पैरामिलिट्री फोर्सेज की 20 कंपनियां तैनात की गई हैं। हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। छह मौतों का ब्योरा पहले आ चुका था। सातवीं मौत की डिटेल अभी सामने नहीं आई है। नूंह में बुधवार देर रात कर्फ्यू के दौरान तावडू इलाके में कुछ लोगों ने 2 धार्मिक स्थलों पर आगजनी की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। पलवल में बुधवार रात 3 दुकानों, 2 धार्मिक स्थलों और एक टेम्पो में आग लगा दी गई, जिसके बाद पुलिस ने अलग-अलग थानों में 265 लोगों के खिलाफ 5 एफआईआर दर्ज की हैं।

मणिपुर में मैतेई समुदाय की 20 महिलाएं बफर जोन में घुसते समय हुईं घायल

इंफाल, (एजेंसी)। बिष्णुपुर में मैतेई समुदाय की महिलाओं ने बफर जोन को पार करने का प्रयास किया। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोका। इस दौरान दोनों में झड़प हुई। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जारी हिंसा को गुरुवार 3 अगस्त को तीन महीने पूरे हो गए। कुकी समुदाय ने गुरुवार सुबह 11 बजे हिंसा में मारे गए लोगों के शवों को टोइबुंग शांति मैदान में दफनाने की बात कही थी। मैतेई समुदाय को कुकी लोगों के शव शांति मैदान में दफनाने से ऐतराज था। इसलिए मैतेई समुदाय की महिलाओं ने गुरुवार सुबह बिष्णुपुर के थोरबुंग गांव की ओर कूच कर दिया। थोरबुंग में कुकी और मैतेई इलाके के बीच का बफर जोन है। मैतेई महिलाओं ने बफर जोन को पारकर कुकी इलाके में घुसने की कोशिश की। सुरक्षाबलों ने उन्हें रुकने के लिए कहा। मैतेई महिलाएं नहीं मानीं, भीड़ को तितर-बितर करने असम राइफल्स ने जवाबी कार्रवाई में हवाई फायरिंग कर आंसू गैस के गोले छोड़े। महिलाओं ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया, जिसमें कई मैतेई महिलाएं घायल हो गईं। मोइरांग हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने बताया, शुरुआती 1 घंटे में करीब 20 महिलाएं पहुंची। ज्यादातर आंसू गैस के धुएं से बेहोश हो गई थीं। दो महिलाओं को हालत बिगड़ने पर इंफाल हॉस्पिटल रेफर किया गया। वहीं, एक महिला के सिर में चोट लगी है। सूत्रों के मुताबिक इंफाल शहर में भीड़ ने मणिपुर रायफल्स के कैंप से हथियार चुराए हैं। वहीं, बिष्णुपुर के नारानसेना की दूसरी आईआरबी बटालियन से भी करीब 300 हथियार चुराने की खबर है।

370 पर सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन सुनवाई

कपिल की दलील- 370 में बदलाव संविधान में नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के फैसले को चुनौती देने वाली 23 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार 3 अगस्त को दूसरे दिन सुनवाई हुई। सुनवाई करने वाले पांच जजों में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एस के कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि आर्टिकल 370 को छेड़ा नहीं जा सकता। इसके जवाब में जस्टिस खन्ना ने कहा कि इस आर्टिकल का सेक्शन (सी) ऐसा नहीं कहता।

एमपी-यूपी समेत 18 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तराकाशी जिले में पहाड़ों से मलबा गिरने के चलते गंगोत्री नेशनल हाईवे ब्लॉक हो गया। गंगोत्री धाम यात्रा पर जा रहे कुछ लोग यहां फंस गए हैं। पुलिस-प्रशासन की टीम मलबा हटाने में जुटी हुई है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में लैंडस्लाइड की चपेट में आने से किसान भवन और पार्किंग में खड़ी 3 कारें डैमेज हो गईं।

घटना बुधवार को शिमला सिटी के ढल्ली इलाके में हुई। लैंडस्लाइड के दौरान किसान भवन में लगभग 50 लोग मौजूद थे। हादसे में किसी को नुकसान नहीं हुआ। गुजरात में साइक्लोन बिपरजॉय से 1.33 लाख हेक्टेयर जमीन प्रभावित हुई और 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ।

जापान में खानून तूफान से दो की मौत 61 घायल, जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान के दक्षिणी द्वीप ओकिनावा प्रान्त में शक्तिशाली तूफान खानून के कारण मूसलाधार वर्षा जारी है और वर्षा जनित घटनाओं से गुरुवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। तूफान के कारण ओकिनावा में 24 प्रतिशत घरों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। इसके अलावा, उरुमा शहर में मोमबत्ती से आग लगने के कारण में एक वृद्ध महिला (89) की जलकर मृत्यु हो गई। इससे पहले बुधवार को, शक्तिशाली तूफान में एक घर ढह गया, जिसमें एक व्यक्ति (90) घायल हो गया था और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी मौत हो गई।

स्थानीय मीडिया आउटलेट्स के अनुसार, तूफान के कारण अब तक लगभग 61 लोग घायल हो गए।ओकिनावा के कुछ इलाकों में ट्रैफिक लाइट भी

खराब हो गई। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने बताया कि कम से कम 314 उड़ानें और 40 हजार से अधिक यात्रियों के प्रभावित होने की आशंका है। स्थानीय समयानुसार गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे तक तूफान मियाकोजिमा द्वीप के उत्तर-पश्चिम में स्थित था, जो 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है।

अमेरिका में गुजरात के युवक की मौत, ऊपर से निकले 14 वाहन

वाशिंगटन, (एजेंसी)। टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका घूमने गए गुजरात के युवक की सड़क पार करते समय गाड़ी के कुचले जाने के कारण मौत हो गई। उसके ऊपर से एक के बाद एक 14 वाहन गुजर गए थे। शव की हालत बहुत ही ज्यादा खराब हो गई। गुजरात के पाटन का रहने वाला दर्शील ठक्कर 4 महीने के टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका घूमने के लिए गया हुआ था। बेटे की मौत की खबर पाकर पाटन में रहने वाले उसके परिवार में मातम छा गया है।

परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। दरअसल, गुजरात के पाटन में रहने वाला दर्शील ठक्कर करीबन 4 महीने पहले अमेरिका घूमने के लिए टूरिस्ट वीजा पर गया हुआ था। 29 जुलाई की सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे रोडक्रॉस करते वक्त दर्शील तेज रफ्तार कार से टकरा गया। इसके बाद दर्शील के ऊपर से एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां उसे रौंदते हुए निकल गई। दर्शील की मौके पर ही मौत हो गई। उसका शव कई कारों से कुचले जाने के कारण बहुत ही बुरी तरह से खराब से हो गया। घटना के दौरान दर्शील के साथ उसका दोस्त भी था।

पत्नी, बच्चों की हत्या के बाद खुद भी दी जान, बेंगलुरु में घर से मिली चार लाशें

बेंगलुरु,(एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में रह रहे युवक ने पूरे परिवार की हत्या करने के बाद खुदभी सुसाइड कर लिया। युवक ने अपनी पत्नी और दोनों बच्चों की हत्या की और फिर खुद भी जान दे दी। सामने आया है कि परिवार मूल रूप से आंध्रप्रदेश का रहने वाला था और बेंगलुरु में कुछ समय से रह रहा था। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर सबूत जुटाए हैं। दरअसल, आंध्रप्रदेश का रहने वाला 31 साल का वीरार्जुन विजय पत्नी 29 साल ह्यमावती और दो बच्चों के साथ बेंगलुरु में कडुगोडी पुलिस थाना इलाके में रह रहा था।

एक बच्चे की उम्र ढाई साल थी और एक की उम्र 8 महीने की थी। विजय यहां पर सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता था। कुछ ही साल पहले उसकी शादी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, जिस फ्लैट में विजय रह रहा था उसके पड़ोस में रहने वाले लोगों ने सूचना दी थी। मौके पर पहुंचकर देखा तो विजय, विजय की पत्नी और दोनों बच्चों की लाश फ्लैट में पड़ी हुई थीं। पुलिस के मुताबिक, ऐसा लग रहा है जैसे विजय ने पहले अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या की और फिर खुद भी सुसाइड कर लिया था।

दिल्ली की जंग में महाभारत का जिक्र, भाजपा सांसद ने सीएम केजरीवाल को कहा दुर्योधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग पर अधिकार से संबंधित विधेयक पर गुरुवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान पक्ष और विपक्ष की ओर से गरमा-गरम बहस हुई।

गृहमंत्री अमित शाह ने पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू की बातों की याद दिलाते हुए कांग्रेस को घेरा तो दिल्ली के मुख्यमंत्री के बंगले का जिक्र करते हुए अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देकर बिल का विरोध किया।चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा के दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी ने बेहद तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए आप सरकार पर निशाना साधा। महाभारत के श्लोक और किरदारों का जिक्र करते हुए बिधूड़ी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दुर्योधन तक कह डाला।

सऊदी से फोन कर दिया तीन तलाक, केस दर्ज

बहराइच, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के जरवलरोड क्षेत्र निवासी एक महिला को उसके पति ने सऊदी अरब से फोन कर तीन तलाक दे दिया। साथ ही रिकॉर्डिंग भी पत्नी की मोबाइल पर भेजा है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि जरवल रोड थाना क्षेत्र के जरवल नगर पंचायत के मोहल्ला रानीताल निवासी शायरून का विवाह उसी मोहल्ले के निवासी जुनैद अहमद से हुआ था।

नोएडा में खुदाई के दौरान निकली आग

नोएडा, (ब्यूरो)। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में एक सड़क आग उगलने लगी। अचानक गैस पाइपलाइन फट जाने की वजह से सड़क से आग की लपटें निकलने लगीं। भीषण आग की लपटों को देखकर लोग घटनास्थल से दूर भागते दिखे। यह बीटा-2 थाना क्षेत्र की घटना है। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

नोएडा के सीएफओ ने बताया कि आग लगने की सूचना दोपहर 2.58 बजे मिली। आइजीएल गैस की पाइपलाइन फट जाने से यह हादसा हुआ। सीएनजी लीकेज की वजह से आग लग गई। तत्काल प्रभाव से दमकल की गाड़ियां रवाना हुई हैं। वहां जाकर देखा गया कि अवैध खुदाई चल रही थी।

देश की प्रमुख कंपनियों ने मेला अधिकारी विजय किरन आनंद की अध्यक्षता में बनी समिति के सामने किया तकनीकि प्रस्तुतिकरण

वर्ष 2019 दिव्य महाकुंभ के मेला अधिकारी भी थे विजय

प्रयागराज ■

विजय किरन आनंद महाकुंभ 2025 के लिए भी मेला अधिकारी हैं श्री आनंद 2019 में सफल आयोजित दिव्य कुंभ भव्य कुंभ के आयोजन के भी मेला अधिकारी रह चुके श्री आनंद 2019 के कुंभ मेला के अनुभव के आधार पर ही महाकुंभ 2025 के लिए भी समीति बना रखी है और उसी तर्ज पर कार्य कर महाकुंभ को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर हैं।

इसी श्रृखंला में गुरुवार को महाकुंभ 2025 - थर्ड पार्टी इंसपेक्शन एजेंसी (टीपीआईए) एवं पीएमआईएस बनाने हेतु भारत की प्रमुख कंपनियों ने मेलाधिकारी, कुंभ मेला, विजय किरन आनंद की अध्यक्षता में बनी समिति के सामने तकनीकी प्रस्तुतीकरण किया।

महाकुंभ 2025 को दिव्य एवं भव्य बनाने के दृष्टिगत क्रियान्वित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं में अपेक्षित गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु 2019 महाकुंभ की तरह इस बार भी थर्ड पार्टी इंसपेक्शन एजेंसी (टीपीआईए) को आबद्ध किया जा रहा है। इस कार्य हेतु गुरुवार को भारत की चार प्रमुख कंपनियों, आरवी एसोसिएट्स, एजेस इंडिया, क्यूसीआई एवं टीयूवीएसयूडी, ने मेलाधिकारी, कुंभ मेला, विजय किरन आनंद की अध्यक्षता में बनी समिति के सामने तकनीकी प्रस्तुतीकरण किया। अपेक्षित विशेषज्ञता और आवश्यकताओं पर खरी उतरने वाली कंपनी को आबद्ध किया जाएगा तथा आबद्ध होने के पश्चात सभी परियोजनाओं के विभिन्न तकनीकी कार्यों में अपेक्षित गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु वह कंपनी यहां पर लगभग 02 करोड़ की लागत से एक भव्य टीपीआईए लैब विकसित करेगी जिसमें वाटर, सीवेज, पावर, सिविल वर्क्स, सैनिटेशन आदि कार्यों में अपेक्षित गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न एक्सपर्टस् यहां रहकर जांच करेंगे। इसी क्रम में सभी प्रोजेक्टस की बेहतर मॉनीटरिंग हेतु एक अत्याधुनिक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इंफार्मेशन सिस्टम सॉफ्टवेयर भी विकसित किया जा रहा है।

Filmi तड़का

आलिया ने की बॉयफ्रेंड शेन संग सगाई

मुंबई। फिल्ममेकर अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप ने बॉयफ्रेंड शेन शेन ग्रेगोइरे के संग सगाई कर ली है। इस इवेंट में सेलेब्स का आना शुरू हो गया है। वहीं पिता अनुराग भी काफी खुश दिखे। इस इवेंट के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर सामने आने लगे हैं। आलिया-शेन की इंगेजमेंट इवेंट की तस्वीरें सामने आई है, जहां शाहरुख खान की बिटिया सुहाना खान महफिल लूटती दिखाई दीं। आलिया कश्यप की सगाई में धीरे धीरे सेलेब्स का आना शुरू हो गया है। सगाई में अभी तक सुहाना खान, अदिति भाटिया और राधिका सेठ आदि शिरकत कर चुकी हैं। वहीं आलिया के पिता अनुराग कश्यप भी खुशी में झूमते दिख रहे हैं। पैप्स के सामने अनुराग आए और मुस्कुराते हुए पोज दिया। विदित रहे कि इससे पहले 20 मई को आलिया कश्यप ने सोशल मीडिया पर इस बात का ऐलान किया था कि उन्होंने बॉयफ्रेंड शेन ग्रेगोइरे संग सगाई कर ली है। सोशल मीडिया पर उन्होंने अंगूठी के साथ और शेन को किस करते हुए तस्वीरें भी शेयर की थीं।

सुहाना खान से खुशी कपूर तक आईं नजर

सिनेमा हॉल में दर्शकों के बीच पहुंचे

रणवीर और आलिया

लोगों के उड़े होश

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह और एक्ट्रेस आलिया भट्ट इस समय सुर्खियों में छाए हुए हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। लोगों के ये फिल्म काफी पसंद आ रही है। बॉलीवुड के फेमस फिल्म मेकर करण जौहर ने इस फिल्म के जरिए करीब 07 साल बाद बड़े पर्दे पर बतौर डायरेक्टर वापसी की है। ऐसे में लोगों को धर्मा प्रोडक्शन का ये फैमिली ड्राम खूब भा रहा है। वहीं फिल्म के रिलीज होने के बाद भी रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मूवी का प्रमोशन करते नहीं थक रहे हैं। वह दोनों सिनेमाघरों में जाकर लोगों के साथ बैठकर फिल्म देख रहे हैं और उन्हें फिल्म कैसी लग रही है इस बारे में पूछ भी रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में आलिया और रणवीर सिंह मुंबई के एक थिएटर में पहुंच गए और वहां मौजूद दर्शकों के साथ बातचीत भी की। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की ये जोड़ी ऑडियंस को सरप्राइज देने के लिए मुंबई के एक थिएटर के अंदर पहुंच गई। उनके साथ इस मौके पर करण जौहर भी शामिल थे। थिएटर के अंदर से इन तीनों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जैसे ही थिएटर के अंदर मौजूद दर्शकों को पता लगता है कि वहां आलिया और रणवीर आए हुए हैं, वह सभी अपनी-अपनी सीट से उठकर खड़े हो जाते हैं। इसके बाद आलिया भट्ट, रणवीर सिंह और करण जौहर को सभी दर्शक घेर लेते हैं। चारों तरफ फैन मोमेंट नजर आने लगता है। वहां मौजूद हर कोई कैमरे में आलिया भट्ट, रणवीर सिंह और करण जौहर को कैप्चर करने में लग जाते हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि फिल्म के लीड हीरो रणवीर सिंह अपने किरदार रॉकी के स्टाइल में ही फैंस से बाते करने लगते हैं। वहीं आलिया भट्ट ने सभी दर्शकों को उनकी फिल्म देखने के लिए धन्यवाद किया।

7 साल बाद बड़े पर्दे पर बतौर डायरेक्टर की वापसी

ग्राम चौपाल में प्राप्त 82 शिकायतों में से मौके पर ही 81 का किया निस्तारण

जन सुनवाई हेतु जनपद के समस्त विकास खंडों में आयोजित किया गया ग्राम चौपाल

प्रखर मिजार्पुर। आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ०प्र० के निर्देश के क्रम में जनपद के 05 विधान सभाओं के कुल 12 विकास खण्डों के 24 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। विधान सभा क्षेत्र मझवां के विकास खण्ड पहाड़ी में ग्राम पंचायत अकसौली व रामनगर सिकरी, विकास खण्ड- मझवां में रामापुर व लवक, विकास खण्ड- सीटी में ग्राम पंचायत लेड़ू व मसारी विधान सभा क्षेत्र नगर के विकास खण्ड- कोन के ग्राम पंचायत गहिया व करेरूआ, विकास खण्ड- छानबे में ग्राम पंचायत गोड़सर पाण्डेय व गैपुरा विधान सभा क्षेत्र छानबे के विकास खण्ड- लालगंज में ग्राम पंचायत लालगंज कटाई व नरैना कला, विकास खण्ड- हलिया में ग्राम पंचायत तेन्दुई व खुटहां विधान सभा क्षेत्र मड़िहान के विकास खण्ड पटेहरा कला के ग्राम पंचायत गढ़वा व बसही, विकास खण्ड राजगढ़ के ग्राम पंचायत रामपुर - 38 व चौखड़ा, विधान सभा क्षेत्र चुनार के विकास खण्ड- नरायनपुर में ग्राम

पंचायत जलालपुर माफी व बरेवां, विकास खण्ड- सीखड़ में ग्राम पंचायत कुशहां व मंगरहा, विकास खण्ड जमालपुर के ग्राम पंचायत में कुण्डाडीह व मीरजापुर खुर्द में ग्राम चौपाल आयोजित हुई। जनपद के 24 ग्राम पंचायतों में आयोजित ग्राम चौपाल की अध्यक्षता सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी द्वारा की गयी। आयोजित ग्राम चौपाल में मा0 प्रमुख क्षेत्र पंचायत / सदस्य जिला पंचायत / ग्राम प्रधान सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित रहे। प्रत्येक ग्राम चौपाल में उपस्थित विकास विभाग के अतिरिक्त अन्य विभागों के खण्ड स्तरीय अधिकारी एवं ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारियों द्वारा मौके पर जनता की समस्याओं / शिकायतों को सुनकर तत्काल निराकरण कराने का प्रयास किया गया। ग्राम चौपाल में कुल 82 शिकायतें प्राप्त हुयी जिसमें से मौके पर ही 81 शिकायतों का निस्तारण उपस्थित अधिकारियों द्वारा की गयी तथा अवशेष 01 शिकायतों को सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित कर एक सप्ताह के अन्दर प्रकरण का निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। विकास खण्डों में आयोजित ग्राम चौपाल में उपस्थित अधिकारियों एवं मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा वृक्षारोपण, आवास, पंचायत भवन, इण्टर लाकिंग एवं नाली खड़ंजा आदि कार्यों का निरीक्षण किया गया। ग्राम पंचायतों में मा0 जन प्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में ग्राम चौपाल का आयोजन सम्पन्न हुआ।

पुलिस अधीक्षक ने साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर किया गया परेड का निरीक्षण

प्रखर मिजार्पुर। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन द्वारा शुक्रवार की साप्ताहिक परेड के दौरान पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड पर परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात जवानों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ लगवायी गयी। साप्ताहिक परेड के दौरान पी0आर0वी0 112 वाहनों को चेक किया गया तथा उपकरणों के रख रखाव हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड के उपरान्त पुलिस लाइन मे क्वार्टर गार्द की सलामी ली गयी तथा क्वार्टर गार्द का निरीक्षण किया गया। क्वार्टर गार्द निरीक्षण के उपरान्त पुलिस लाइन में स्थित आवासीय परिसर, वर्दी स्टोर, बैरक, मेस, आर ओ प्लांट, स्टोर रूम, यातायात कार्यालय, पुलिस अस्पताल सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के उपरान्त अर्दली रूम में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यतन रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उक्त परेड के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी लालगंज, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन मीरजापुर, यातायात उपनिरीक्षक तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

ठगी के शिकार निवेशको की उ0 प्र0 सरकार से गुहार अतुल्या ग्रुप आफ कम्पनीज की उच्च स्तरीय जांच कराए पुलिस प्रशासन

प्रखर वाराणसी। आतल्या ग्रुप आफ कम्पनीज के फाउण्डर निदेशक भी महादेव पांडरंग जाधव द्वारा मुम्बई से आकर बनारस लखनऊ, कानपुर, आगरा में रेहान इण्टरप्राइजेज नाम से आफिस खोलकर और यहा के लोगों को बरगला कर कि हम ट्रेडिंग करते है लोग झांसे में आकर अपनी गाढ़ी कमाई को रेहान इण्टर- प्राइजेज में निवेश कर दिया जिसके बदले में महादेव रेहान इन्टरप्राइजेज के नाम से 10+5% टी डी एस काटकर 10 आह के चेक देते थे साथ ही 100 रुपये के स्टाम्प पर एग्रीमेण्ट देते थे। कुछ दिन पैसे मिलने पर निवेशकों का विश्वास जमा लिया। निवेशकों ने 'बहुत भारी निवेश कर दिया। सितम्बर 2022 से निवेशकों के चेक बाउंस होने लगे। निवेशको द्वारा बार बार पूछताछ करने पर लगातार

झूठा आश्वासन देते रहे पिछले 10 माह से निवेशक इनके झूठे माश्वासन से परेशान होकर न्याय की शरण में आये है रेहान इन्टरप्राइजेज पर मुकदमा होने के बाद भी महादेव ने रेहान व रोहन इण्टरप्राइजेज के नाम से निवेश लेते रहे 10803 2023 में रेहन इण्टरप्राइजेज पर ऋक्षक हुई थाने महाराष्ट्र से जिसमे तीन लोग गिरफ्तार हुए आजतक महादेव जाधव फरार है। पीडितो द्वारा जानकारी करने पर पता चला कि महादेव जाधव एक पेशेवर ठग है। जो पहले से ही कई कम्पनी बनाकर ठगी करता रहा महादेव जाधव पर भारत राज्यों से मुकदमे है ।आजतक ये गिरफ्तार नहीं हुए हमारी- प्रशासन से निवेदन है कि महादेव जाधव को अविलम्स गिरफ्तार कर न्यायोचित कार्यवाही की जाये। समस्त जमाकर्ता पीडित सदैव आभारी रहेगे।

बीए तृतीय वर्ष की छात्रा ने गंगा में लगाई छलांग, गोताखोरों द्वारा तलाश जारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र के रजागंज चौकी अंतर्गत हमीद सेतु से आज गुरूवार की शाम एक बीस वर्षीय छात्रा ने नदी में छलांग लगा दिया। घटना की जानकारी होते ही? मौके पर राहगीरों की भीड इकट्ठा हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसकी काफी मशक्कत से तलाश की मगर उसका पता नहीं चल सका। घंटे भर बाद छात्रा की पहचान मौके पर पहुंचे उसके पिता संतोष उपाध्याय निवासी सब्बलपुर खुर्द कोतवाली जमानियां ने शालू उपाध्याय के रूप में किया। वहीं इस घटना के बाद से ही छात्रा के घर पर परिजनों का जहाँ रो- रोकर बुरा हाल है, वहीं गाँव में इस घटना के बाद से ही सन्नाटा पसरा हुआ है। मौके पर पहुंचे छात्रा के पिता संतोष उपाध्याय ने बताया कि वह गाँव में किसी काम

से गये थे, कि उनकी पुत्री ने एक पन्ने पर गाजीपुर जाने की बात लिख कर अपनी मां को देते हुए टैंम्पू से गाजीपुर के लिए निकल गई। पिता ने बताया कि जब वह अपने घर आए तो उनकी पत्नी ने वह कागज दिखाया तो उन्हें शक हुआ औ? वह बाइक लेकर गाजीपुर के लिए निकल पडे। पिता संतोष उपाध्याय ने बताया कि वह बाईक से अपनी पुत्री को खोजते हुए हमीद सेतु पर पहुंचे तो उनकी नजर पुल पर पैदल जा रही पुत्री पर पडी। बताया कि जब मैने अपनी पुत्री को रूकने के लिए आवाज लगाई तो उसने हाथ जोडते हुए पुल से उनके सामने ही नदी में छलांग लगा दी । पिता ने विलखते हुए बताया कि वह उनकी होनहार अपने तीनों बहनों में सबसे बडी पुत्री थी, जो बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी। रजागंज चौकी इंचार्ज भूपेन्द्र कुमार निषाद ने बताया कि नदी में कूदी छात्रा की पहचान हो गई है। उसकी तलाश की जा रही है।

ज्ञानवापी सर्वे निर्विघ्नता से संपन्न करने की कामना से सुबह से लगातार चल रहा यज्ञ अनुष्ठान

प्रखर वाराणसी। ज्ञानवापी मंदिर का एएसआई सर्वे को शीघ्रता से संपन्न होने की कामना से राष्ट्रीय हिन्दू दल संगठन के अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय के नेतृत्व में कार्यकताओं द्वारा सुबह से यज्ञ पूजा पाठ किया जा रहा है। इस मौके पर राष्ट्रीय हिन्दू दल के अध्यक्ष रोशन पाण्डेय ने कहा कि ज्ञानवापी का सच तो दुनिया को पता है सिर्फ वैज्ञानिक घोषणा का इंतजार है। निर्विघ्नता पूर्वक यह सर्वे पूरा हो जाए इसी कामना से सुबह से ही यज्ञ किया जा रहा है। आचार्य रंधीर ने कहा कि वैज्ञानिक जांच के बाद मुस्लिम पक्ष के पास कोई आधार नहीं रहेगा। सर्वे पर खुशी जताते हुए रोशन पाण्डेय ने कहा कि वर्षों का इंतजार अब खत्म होने का समय आ गया, नंदी कि प्रतिक्षा पूरी होते दिख रही है। बाबा ने चाहा तो अगले वर्ष हम ज्ञानवापी में अभिषेक करेंगे। इस मौके पर रोशन पाण्डेय के साथ कृष्णा पाण्डेय,धीरज पाण्डेय, विनोद, प्रमोद,रोशन, बबलू अग्रहरि, सत्यम उपस्थित रहे।

लेखपाल व कानूनगो के साथ गाली गलौज करने के मामले में मुकदमा दर्ज

प्रखर जौनपुर। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के औरां गांव का मामले में धारा 24 के तहत लेखपाल व कानूनगो मय पुलिस फोर्स टीम के साथ सीमांकन करने गए थे । कुछ ग्रामीणों ने सीमांकन करने के दौरान लेखपाल व कानूनगो से अभद्र व्यवहार किया व गाली गलौज कर मारपीट पर उतारू हो गए । इसी मामले को लेकर गांव के दर्जनो ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी कार्यालय मड़ियाहूं पहुंचकर जिलाधिकारी के कार्यालय के सामने नारेबाजी करते हुए कानूनगो व लेखपाल को हटाने की मांग भी किया था। उसी मामले को लेकर कानून गो जय प्रकाश उपाध्याय लेखपाल राम अभिलाष यादव ने रामपुर थाने पर तहरीर देकर सरकारी कार्य में बाधा डालने गाली गलौज करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया था । इस सम्बंध में थानाध्यक्ष रामपुर चंदन राय ने बताया कि चार लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

मड़ाव में रेलवे टीटी संग बीएचयू कर्मी दो सगे भाइयों पर जानलेवा हमला

प्रखर वाराणसी। पुरानी रंजिश में कैंट स्टेशन पर तैनात चीफ टिकट इंस्पेक्टर हरिशंकर शर्मा व उनके बीएचयू कर्मी दो सगे भाइयों जमुना प्रसाद शर्मा, वीरेंद्र शर्मा,शिवशंकर शर्मा पर शुक्रवार की सुबह उनके आवास में घुसकर एक दर्जन से ज्यादा हमलावरों ने लाठी-डंडे से लैस होकर धावा बोल दिया। जब तक लोग समझ पाते तब तक हरिशंकर शर्मा, जमुना प्रसाद शर्मा, वीरेंद्र शर्मा व शिव शंकर शर्मा का सिर फट गया था। बीच- बचाव करने आए घर के महिलाओं के साथ भी बदमाशों ने दुर्व्यवहार किया।पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।इस दौरान मौके से भाग रहे एक हमलावर का मोबाइल घटनास्थल पर ही गिर गया।खास बात यह कि हमले में गांव का वर्तमान प्रधान प्रकाश गौड़ भी शामिल था।सूचना पर प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर एसीपी रोहनिया संग कई थानों की फोर्स पहुंची। घायल शिव शंकर शर्मा, हरिशंकर शर्मा, जमुना शर्मा व वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि हमलावरों में से एक, खुद गांव के वर्तमान प्रधान हैं।बताया कि वर्तमान प्रधान जब प्रधान नहीं थे तब से उनके परिवार से रंजिश चली आ रही है। कुछ माह पूर्व गलती न करने का माफीनामा देने पर थानेदार ने उनको छोड़ दिया था। चीफ टिकट इंस्पेक्टर के बड़े भाई शिव शंकर शर्मा ने रोहनिया थाने में ग्राम प्रधान प्रकाश गौड़, चंदन पाल, बिहारी

बीएचयू हॉस्पिटल में तैनात जमुना प्रसाद शर्मा के बीएचयू हॉस्पिटल ड्यूटी जाते वक्त मड़ाव के इसी वर्तमान प्रधान ने बीएलडब्लू में हमले की कोशिश की थी तब तत्कालीन मडवाडी थाना प्रभारी रहे राजीव कुमार सिंह ने आरोपी प्रधान को हिरासत में ले लिया था।प्रधान द्वारा भविष्य में ऐसी पटेल, राजेश गौड़ समेत एक दर्जन लोगों के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया है।इस संबंध में बातचीत में एसीपी रोहनिया विदूष सक्सेना ने बताया कि हमले की फुटेज प्राप्त हो गई है हमलावरों पर सख्त कड़ी कार्यवाही की जाएगी।गांव में तनाव को देखते हुए फोर्स तैनात कर दी गई है।

व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं होगा बर्दाश्त : अनुराग

प्रखर जलालपुर जौनपुर। उद्योग व्यापार मंडल प्रतिनिधि के प्रांतीय उपाध्यक्ष/जिलाध्यक्ष इन्द्रभान सिंह 'इन्दु' के आदेश एवं जिला महामंत्री हारिफ हबीब के निर्देश पर त्रिलोचन महादेव व्यापार मंडल कमेटी भंग कर नए पदाधिकारियों का चयन करने के लिए त्रिलोचन महादेव बाजार के अध्यक्ष/प्रदेश मंत्री अनुराग वर्मा से कहा।अनुराग वर्मा ने गुरूवार को व्यापारियों की एक बैठक त्रिलोचन महादेव मंदिर स्थित यादव धर्मशाला में कराया।व्यापार मंडल अध्यक्ष/प्रदेश मंत्री अनुराग वर्मा ने व्यापार मंडल के नए पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।इस दौरान अध्यक्ष अनुराग वर्मा ने कहा कि व्यापारियों का उत्पीड़न किसी कीमत पर बर्दाश्त नही किया जाएगा।इसके लिए हर कस्बे में व्यापार मंडल का गठन

किया जाएगा। उन्होने कहा कि व्यापारियों को आए दिन जांच के नाम पर परेशान किया जाता है। जिसे बर्दाश्त नही किया जाएगा। बीते दिनों बाजार में हुए व्यापारियों के साथ अपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए पुलिस चौकी स्थापित किए जाने की मांग की। इसके पूर्व अध्यक्ष/प्रदेश मंत्री अनुराग वर्मा ने नव निर्वाचित उपाध्यक्ष हैप्पी गुप्ता,गनेश चौहान,कोषाध्यक्ष चन्दन जायसवाल,महामंत्री प्रेम प्रजापति,बीरू अग्रहरी,अनंत रस्तोगी,मंत्री रितेश सिंह,दीपक दुबे,संगठन मंत्री सचिन सेठ,दीपक चौहान,मिडिया प्रभारी कुन्दन जायसवाल,आनंद अग्रहरी,अमित अग्रहरी,सदस्य दीपक अग्रहरी,संगम जायसवाल,धीरज गिरि,पंचम मोदनवाल,संतोष सेठ,संजय जायसवाल,सन्नी अग्रहरी,काले अग्रहरी,सुनील साहू,दुर्गेश अग्रहरी,संरक्षक माला सिंह,फोटू मोदनवाल,चुनमुन सिंह,चन्द्रेज दुबे,रामपत यादव,नागेन्द्र सेठ,अरविन्द अग्रहरी,जितेन्द्र अग्रहरी,अवधेश अग्रहरी,डॉ. रमेश चन्द यादव,अशोक अग्रहरी,सत्यप्रकाश गिरि,महेन्द्र राजभर,बजरंग अग्रहरी,सरोज मोदनवाल,गुलाब अग्रहरी,मुन्ना मौर्या सहित अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।समारोह में समाजसेवी चन्दन सेठ,नागेन्द्र सेठ,गोपाल साहू,फोटू मोदनवाल आदि ने व्यापारियों की एकजुटता पर बल देते हुए उनकी समस्या पर प्रकाश डाला।अध्यक्षता हरिशंकर मिश्रा तथा संचालन सचिन सेठ ने किया।

30 जुलाई को मन की बात सुनने में गाजीपुर काशी प्रांत में दूसरे नम्बर पर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी गाजीपुर 75 लोकसभा प्रभारी सुशील उपाध्याय एवं संयोजक कृष्ण बिहारी राय ने गत 30 जुलाई को प्रधानमंत्री जी के मन की बात प्रत्येक बूथ पर सुने जाने के समीक्षा के क्रम में काशी क्षेत्र में जनपद गाजीपुर को दूसरा स्थान प्राप्त होने पर सभी प्रयासकर्ताओ, जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों, शक्ति केंद्र संयोजकों तथा बूथ अध्यक्षों के प्रति आभार व्यक्त किया है। एवं सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि जिन बूथों पर "मन की बात" कार्यक्रम को अभी तक नहीं सुना जा सका है। उन बूथों पर अभी से तैयारी करके पार्टी द्वारा बूथ पर होने वाले सभी कार्यक्रमों को संपन्न कराए जाना सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 3 अक्टूबर 2014 से शुरू मन की बात कार्यक्रम में देश के कोने कोने से समाज के हर वर्ग, रहन सहन, सभ्यता संस्कृति, उपज, परम्परा लोक संस्कृति

सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को प्रेरणा प्रदान करने वाले, तथा विलुप्त हो रही सभ्यता, संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को 11बजे से आधे घंटे के लिए प्रसारित आकाशवाणी प्रसारण मे 30 जूलाई को 103 वां संस्करण प्रसारित किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

सात साल पुराने मामले में आया फैसला, 25 सौ का लगा अर्थदंड

प्रखर पिण्डरा वाराणसी। ग्राम न्यायालय के सिविल जज जूनियर डिविजन सत्यम सिंघल के न्यायालय में शुक्रवार को 7 साल पुराने मामले में सुनवाई के दौरान 25 सौ रुपये का अर्थदंड लगाया। पिंडरा तहसील स्थित ग्राम न्यायालय में मुकदमा अपराध संख्या 521/2016 आईपीसी की धारा 279, 337, 338 सरकार बनाम त्रिलोकी नाथ ऊर्फ बबलू के मामले में सहायक अभियोजन अधिकारी दीपक कुमार सिंह द्वारा राज्य सरकार का पक्ष रखते हुए बताया कि 2 अक्टूबर 2016 को असबालपुर (फूलपुर) निवासी अवधेश पटेल को पिण्डरा बाजार में त्रिलोकी नाथ ने लापरवाही से मोटरसाइकिल चलाते हुए टक्कर मार दी थी। जिससे अवधेश को काफी चोट आई थी। इसके उपरांत अवधेश ने फुलपुर थाना में मुकदमा दर्ज कराया था, जिसपर न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए त्रिलोकी नाथ उर्फ बबलू निवासी पिण्डरा बाजार थाना फूलपुर को 2500 रुपए का अर्थदण्ड से दण्डित किया। न्यायालय से सात साल बाद न्याय मिलने पर अवधेश ने न्यायालय के प्रति खुशी जाहिर की।

श्रीमद्भागवत पुराण कथा प्रारम्भ आज से

प्रखर चिरईगाव वाराणसी। श्री राम लाल बह्मबाबा मंदिर झाझूपुर पर आज से श्रीमद्भागवत पुराण कथा प्रारम्भ होगी। लगभग 250 साल पुराना बह्मबाबा का यह मंदिर झाझूपुर में स्थित है। यहां पर हर सोमवार और शुक्रवार को हजारों की संख्या में भक्त गण दर्शन पुजन के लिए हमेशा आते हैं। कथा परम श्रद्धेय पं संतोष कुमार मिश्र जी के मुखारविंद से सुना जायेगा। यह कथा 4-8-2023से11-8-2023तक चलेगा। सुबह 8 बजे 11 तक रूद्राभिषेक तथा 5 बजे 8 बजे तक शाम भागवत कथा सुनाया जाएगा और 11 अगस्त को विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन सभी ग्रामवासी क्षेत्रवासियों द्वारा किया जा रहा है। मंदिर के पुजारी संतोष बाबा इस तरह के आयोजन मंदिर पर हर साल किया जाता है।इसकी जानकारी अध्यक्ष गिरीश कुमार तिवारी ने दिया।

दुवार्सा धाम मे चल रहा हरिहरात्मक महायज्ञ प्रभु श्री राम से बड़ा राम का नाम : अंकित महाराज

प्रखर आजमगढ़। दुवार्सा धाम मे हरिहरात्मक महायज्ञ के तीसरे दिन मौनी बाबा यज्ञशाला मे यज्ञकर्ता स्वामी शुभम दास जी महाराज के हाथों यज्ञाचार्य पं. रामशंकर चतुवेर्दी के नेतृत्व मे विद्वान ब्राह्मणों ने वेदी और देवी देवताओं का वैदिक रीति से पूजन कराया, भारी संख्या मे श्रद्धालु गण यज्ञ परिक्रमा और पूजन कर पुण्य अर्जित किये, इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण सहित मौनी बाबा और देवी देवताओं का जयकारा गूँजता रहा ।इस अवसर पर आयोजित संगीत मयी श्रीराम कथा मे अंकित जी महाराज ने कहा कि प्रभु श्रीराम से बड़ा राम का नाम है, इसी नाम के जप से हनुमान जी ने राम जी को वश में कर लिया, स्वयं भगवान श्री राम को समुद्र पार जाने के लिए बंदर भालुओ की मदद से पुल बनाना पड़ा,जबकि राम के नाम से सागर तो क्या भवसागर तक सूख जाते है। राम ने एक अहिल्या को तारा, जबकि राम के नाम ने तो करोड़ों को तार दिया। स्वयं भगवान शिव जी भी राम नाम ही जपते। कथा वाचक उमेशाचार्य जी महाराज ने शिव की महिमा का बखान करते हुये कहा कि संसार मे शिव ही सर्व शक्तिमान है,बिना शिव के प्रत्येक मनुष्य ही शव हो जाता है।

नाद योगी कंठे महाराज को दी गई संगीतांजलि

प्रखर दानगंज वाराणसी। संगीत सभा काशी के 98 वीं गोष्ठी नाद योगी पंडित कंठे महाराज को समर्पित रही। लोहटिया स्थित रूपवाणी थिएटर में आयोजित भजन संध्या में पहली हाजिरी प्रतिभाशाली गायिका विदुषी वर्मा ने लगाया। विदुषी ने राम नाम का अमृत पीले, बसो मेरे नैनन में नंदलाल तत्पश्चात दादरा व अंत में कजरी सुनाकर सभागार में उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विदुषी के साथ तबले पर डॉ. संदीप राव केवले एवं संवादिनी पर हर्षित उपाध्याय ने सुमधुर संगति प्रदान की। कार्यक्रम में काशी के गायक अनंत कुमार मिश्र एवं कोलकाता से पधारी सोहिनी बासु ने भी अपने भजनों से श्रोताओं को बांधे रखा। इनके साथ तबले पर किशोर कुमार मिश्र और संवादिनी पर इंद्रदेव चौधरी ने बढ़िया संगति प्रदान कर कार्यक्रम को नई ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान सभागार में अंजली मिश्रा, कामेश्वर नाथ मिश्रा, सत्यनारायण सेठ, अमित मिश्रा, देव नारायण मिश्र, अवनी, अवंतिका सहित तमाम संगीत प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक द्वय पूरण महाराज एवं व्योमेश शुक्ला ने आगंतुकों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में मीना मिश्रा ने सभी कलाकारों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सौरभ चक्रवर्ती ने किया ।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं